दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 । अंक: 264 जयपुर, सोमवार, 02 सितंबर, 2024 । भाद्रपद, कृष्ण पक्ष-अमावस्या, विसं 2081 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

आरपीएससी के पूर्व सदस्य रामूराम राइका गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में पेपर लीक के मामले में रविवार को एसओजी ने सबसे बड़ी गिरफ्तारी की है। एसओजी ने मामले में भर्ती परीक्षा आयोजित करवाने वाली आरपीएससी के पूर्व सदस्य रामू राम राइका को गिरफ्तार कर लिया है। एसओजी ने शनिवार को राइका के पुत्र देवेश राइका और पुत्री शोभा राइका समेत 5 ट्रेनी सब इंस्पेक्टरों को हिरासत में लिया था। इनसे पूछताछ में रामू राइका का नाम सामने आया। इस मामले में अब तक 63 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। राईका जुलाई 2018 से जुलाई 2022 तक आरपीएससी सदस्य थे।

इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी... डायवर्ट

नई दिल्ली। जबलपुर से हैदराबाद जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E 7308 को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके बाद फ्लाइट को नागपुर की तरफ डायवर्ट कर दिया गया है। इंडिगो ने बताया कि सभी यात्रियों को उतार दिया गया और अनिवार्य सुरक्षा जांच तुरंत शुरू की गई। जबलपुर से हैदराबाद जा रही फ्लाइट 6E-7308 में बम होने की धमकी सामने आई है। इसके बाद इसे नागपुर डायवर्ट कर दिया गया। इंडिगो के मुताबिक लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को उतार दिया गया और तुरंत ही सुरक्षा जांच शुरू की गई।

कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़े, विमान ईंधन सस्ता

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने कॉमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में संशोधन किया है। इसके साथ ही अब आम लोगों पर भी इसका असर देखने को मिलने वाला है। रविवार से दिल्ली में 19 किग्रा वाले कॉमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में 39 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। इसकी दिल्ली में खुदरा बिक्री कीमत 1,691.50 रुपए हो गई है। हालांकि घरेलू सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं, विमान ईंधन के दाम में रविवार को 4.6 प्रतिशत की कटौती की गई।

पदक जीते-दिल जीते: पीएम ने भारत को मेडल्स दिलाने वालों की उपलब्धि की प्रशंसा की...

पैरालंपिक में पदक विजेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

■ गोल्ड मेडलिस्ट अवनि लेखरा से नहीं हो पाई बात ■ मोना अग्रवाल, प्रीति पाल, मनीष नरवाल और रुबीना फ्रांसिस से की चर्चा

बेधड़क | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पैरालंपिक में मेडल जीतने वाले एथलीटों से बात की और उन्हें पदक जीतने पर बधाई दी। भारत ने रविवार तक पेरिस पैरालंपिक खेलों में कुल पांच पदक जीते हैं। शूटर अवनि लेखरा ने भारत को पहला गोल्ड दिलाया। अवनि ने पेरिस पैरालंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल (एसएच 1) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि भारत की ही मोना अग्रवाल ने इस स्पर्धा का कांस्य पदक जीतकर दिन को यादगार बना दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार पैरालंपिक खेलों में अब तक पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से टेलीफोन पर बातचीत की।

अवनि की उपलब्धि का सराहा

इससे पहले शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया पर एथलीटों को पदक जीतने की बधाई दी थी। उन्होंने अवनि के गोल्ड जीतने पर लिखा था कि उनका समर्पण भारत को गौरवान्वित करता रहता है। एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री ने मोना अग्रवाल के कांस्य पदक जीतने पर सराहना करते हुए कहा था कि उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि उनके समर्पण और उत्कृष्टता की खोज को दर्शाती है। भारत को मोना पर गर्व है।

इनसे हुई बात

इनमें मोना अग्रवाल, प्रीति पाल, मनीष नरवाल और रुबीना फ्रांसिस शामिल थे। हालांकि प्रधानमंत्री की गोल्ड मेडलिस्ट अवनि लेखरा से बात नहीं हो सकी, क्योंकि उस समय वह पैरालंपिक खेलों की मिश्रित 10 मीटर एयर राइफल प्रोन (एसएच1) स्पर्धा में हिस्सा ले रही थी। हालांकि उन्होंने अवनि लेखरा को खेलों में उनके अगले मुकाबलों में सफलता की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने मेडल जीतने वाले एथलीटों को बधाई दी और कहा कि उन्होंने अपने प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया है।

मेडल टैली में भारत को हुआ 5 पायदान का नुकसान

मिश्रित 10 मीटर एयर राइफल प्रोन (एसएच2) क्वालीफिकेशन में श्रीहर्ष देवरड्डी रामकृष्ण 630.2 के कुल स्कोर के साथ 26वें स्थान पर रहे। अवनि 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के अपने प्रदर्शन को नहीं दोहरा पाई और अच्छी शुरुआत के बावजूद 628.8 अंक के कुल स्कोर के साथ फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रही। सिद्धार्थ ने 628.3 का स्कोर किया।

PM नरेंद्र मोदी से मिले CM भजनलाल शर्मा

रिपोर्ट कार्ड- विकास की बात... सियासी मायने- मंत्रिमंडल में फेरबदल को लेकर चर्चा

■ शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी से राइजिंग राजस्थान समिट के लिए मांगा समय

बेधड़क | नई दिल्ली

राजस्थान मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। बताया जाता है कि इस भेंट के दौरान प्रदेश के विकास को लेकर चर्चा हुई। विशेष रूप से मुलाकात में सीएम भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी से राइजिंग राजस्थान समिट को लेकर समय मांगा। इसके अलावा दोनों नेताओं के बीच प्रदेश के राजनीतिक हालात और प्रदेश में चल रही केंद्र सरकार व राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने यहां प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान उन्हें गुलदस्ता भेंट किया। उन्होंने इसे शिष्टाचार भेंट बताते हुए सोशल मीडिया पर मुलाकात की तस्वीरें शेयर की।

ईआरसीपी सहित विभिन्न कार्यों की दी जानकारी

इसके साथ-साथ सीएम ने पीएम मोदी को सात महीने का रिपोर्ट कार्ड दिया और होने वाले उप-चुनाव की तैयारियों के बारे में जानकारी दी। सूत्रों के हवाले से मिल रही जानकारी के अनुसार राजस्थान में मंत्रिमंडल फेरबदल विस्तार को लेकर भी मुख्यमंत्री की पीएम मोदी के साथ चर्चा हुई है। इसके अलावा ईआरसीपी योजना को लेकर भी सीएम ने पीएम मोदी को रिपोर्ट सौंपी। दिल्ली प्रवास के दौरान भजनलाल शर्मा का विदेश मंत्री सहित कई अन्य केंद्रीय मंत्रियों से भी मिलने का कार्यक्रम है।

यह लिखा सीएम शर्मा ने

सीएम शर्मा ने एक्स पर लिखा कि आज नई दिल्ली में 140 करोड़ देशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण के लिए साधनारत, भारत की विकास यात्रा के नेतृत्वकर्ता माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की तथा उनका आत्मीय आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर राजस्थान के समग्र विकास, प्रगति एवं जनकल्याण से संबंधित विविध योजनाओं के संदर्भ में उनका बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने आगे लिखा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के यशस्वी नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए हमारी सरकार 'विकसित भारत, विकसित राजस्थान' के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। जानकारी के अनुसार सीएम ने पीएम मोदी से इस मुलाकात के दौरान प्रदेश के राजनीतिक हालातों पर विस्तार से चर्चा की।

अभी 21 मंत्री कार्यरत

बता दें कि सीएम भजनलाल शर्मा के पहले मंत्रिमंडल गठन में कुल 22 मंत्रियों ने शपथ ली थी। इसमें से सुरेंद्र पाल टीटी इस्तीफा दे चुके हैं। ऐसे में इस समय सीएम भजनलाल शर्मा के मंत्रिमंडल में 21 मंत्री ही कार्यरत हैं। अभी 9 मंत्री ओर बनाए जा सकते हैं। वहीं, किरोड़ीलाल मीणा के इस्तीफे को लेकर असमंजस है।

राइजिंग राजस्थान समिट के लिए मांगा समय

जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी से राइजिंग राजस्थान समिट के लिए समय मांगा। दरअसल, राजस्थान में निवेश बढ़ाने के लिए भजनलाल सरकार 9 से 11 दिसंबर तक राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट आयोजित करेगी। इस समिट को लेकर सरकार देश और विदेश में रोड शो कर रही है। कुछ दिन पहले समिट को लेकर उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ स्विट्जरलैंड में रोड शो करके आए हैं। दो दिन पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुंबई में समिट की पहली इन्वेस्टर मीट को संबोधित किया था। समिट को लेकर अभी तक सरकार करीब साढ़े 6 लाख करोड़ के एमओयू साइन कर चुकी है।

पुलिस की गाड़ी से दुर्घटना, युवक का पैर टूटा

भड़के ग्रामीणों ने डीएसपी की गाड़ी और थाने को घेरा... किया पथराव

एसएचओ को तुरंत सस्पेंड करने की मांग

बेधड़क | टोंक

देवली के नासिरदा में रविवार सुबह थानाधिकारी की कार की टक्कर से बाइक सवार युवक का पैर टूट गया। घटना से गुस्साए लोगों ने एसएचओ को सस्पेंड करने की मांग करते हुए थाने के सामने धरने पर बैठ गए। इस पर जब पुलिस उपाधीक्षक समझाइश करने पहुंचे तो उनकी गाड़ी और थाने पर भी लोगों ने पथराव कर दिया। लोगों की नाराजगी को देखते हुए मौके पर कई थानों का जाब्ता तैनात किया गया। प्रशासन के प्रयास से करीब आठ घंटे बाद सहमति बनी तब लोग शांत हुए और धरना खत्म हुआ। इस दौरान नासिरदा थाना प्रभारी की गाड़ी को जब्त कर लिया गया है और थाना प्रभारी के खिलाफ मामला दर्ज कर उनका मेडिकल करवाया गया है।

जानकारी के अनुसार नासिरदा निवासी रामप्रसाद धाकड़ अपनी पत्नी काली देवी के साथ शनिवार रात 10 बजे बाइक से महादेवपुर ढाणी जा रहा था। इसी दौरान नव कालिका स्कूल के पास सामने से आई कार ने बाइक को टक्कर मार दी। कार नासिरदा थाना प्रभारी अरविंद लक्षकार चला रहे थे। आरोप लगाया गया है कि वह नशे में थे और गलत साइड से आकर बाइक को टक्कर मारी और पीड़ित के चिल्लाने पर कार को भगा ले गए। सूचना पर युवक के घरवाले वहां पहुंचे और अस्पताल ले गए। युवक के दाएं पैर में फ्रैक्चर हो गया।

सुबह 11 बजे सड़क मार्ग किया जाम

घटना से नाराज ग्रामीणों ने रविवार सुबह 11 बजे थाने के सामने नासिरदा-देवली मार्ग को जाम कर दिया। इसकी सूचना मिलते ही देवली डीएसपी राम सिंह जाट मौके पर पहुंचे। इसी दौरान लोगों ने पथराव कर दिया। डीएसपी ने ग्रामीणों से बातचीत कर जाम हटाने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीण थानाधिकारी के निलंबन की मांग पर अड़ गए।

ऐसे बनी सहमति

गुस्साए लोग थाने के सामने धरने पर बैठ गए। करीब 8 घंटे बाद प्रशासन के साथ सहमति बनने पर लोग शांत हुए और धरना खत्म हो गया। नासिरदा थाना प्रभारी की गाड़ी को जब्त कर लिया गया है और नासिरदा थाने में ही थाना प्रभारी के खिलाफ मामला दर्ज कर मेडिकल करवाया गया है। मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद थाना प्रभारी थाने पहुंचे और पुलिसकर्मियों को घायल का मेडिकल करवाने भेजा।

भारतीय वायुसेना के 'ए' श्रेणी के फ्लाइंग ट्रेनर

एयर मार्शल तेजिंदर IAF के उप प्रमुख

एजेंसी | नई दिल्ली

एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने रविवार को वायुसेना मुख्यालय (वायु भवन) में वायु सेना के उप प्रमुख (डीसीएएस) का पद भार संभाल लिया। नई जिम्मेदारी ग्रहण करने के बाद, एयर मार्शल तेजिंदर ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, नई दिल्ली में जाकर बहादुर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। एयर मार्शल तेजिंदर सिंह 13 जून 1987 को भारतीय वायुसेना की लड़ाकू शाखा में शामिल हुए थे। उनको लड़ाकू विमान उड़ाने का 4500 घंटे से अधिक का अनुभव है। वह भारतीय वायुसेना के 'ए' श्रेणी के फ्लाइंग ट्रेनर भी हैं।

निभा चुके हैं कई अहम जिम्मेदारियां

वह इससे पहले एक फाइटर स्क्वाड्रन लीडर, रडार स्टेशन और प्रमुख फाइटर बेस की कमान संभाल चुके हैं। वह जम्मू-कश्मीर के एयर कमांडिंग ऑफिसर भी रहे हैं। वह अपने सेवाकाल में वायुसेना के मुख्यालय में ऑपरेशनल स्टाफ, वायु सेना मुख्यालय में एयर कमोडोर (कार्मिक अधिकारी-1) जैसे कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दे चुके हैं।

मौत की दौड़ झारखंड उत्पाद सिपाही की भर्ती पर लगा दाग

उत्पाद विभाग में सिपाही बनने को 10 किमी दौड़े, 8 अभ्यर्थियों की मौत!

एजेंसी | हजारीबाग

यहां उत्पाद विभाग में सिपाही की बहाली में दौड़ लगाने के बाद बीमार हुए 27 वर्षीय युवक की मौत हो गई। इसके बाद ही दौड़ रहे एक दर्जन से अधिक प्रतिभागियों का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ गया। अब तक इस दौड़ में 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 200 से अधिक अभ्यर्थी बेहोश हो गए। इधर, पुलिस मुख्यालय ने बयान जारी कर कहा है कि मौत के सभी मामलों में यूडी केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

दौड़ पूरी करने के बाद बिगड़ी अभ्यर्थियों की तबीयत

बताया गया कि सूरज वर्मा ने सुबह 6.45 बजे अपनी दौड़ समय-सीमा के अंदर पूरा कर ली थी। दौड़ पूरी करने के बाद वहीं अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। बहाली स्थल पर मौजूद सीएचसी पदमा प्रभारी डॉ. धीरज कुमार और डॉ विनित कुमार ने उसका प्राथमिक उपचार किया, फिर एंबुलेंस से हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दिया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पदमा में बहाली के दौरान अब तक दो युवकों की मौत हो चुकी है। वहीं, पलामू में चार, जादूगोड़ा और गिरिडीह में एक-एक अभ्यर्थी की मौत हो चुकी है। जादूगोड़ा में मरनेवाला अभ्यर्थी भी गिरिडीह हा रहनेवाला था। 200 से अधिक अभ्यर्थी बेहोश हो चुके हैं. इनमे कुछ की स्थिति गंभीर है।

583 पद के लिए पांच लाख से अधिक आवेदन

झारखंड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा-2023 के तहत 583 उत्पाद सिपाही की नियुक्ति के लिए 22 अगस्त से शारीरिक दक्षता जांच की प्रक्रिया शुरू की हुई, जबकि पलामू जिला में 27 अगस्त से शारीरिक दक्षता परीक्षा की प्रक्रिया शुरू हुई है. शारीरिक दक्षता परीक्षा में 5,13,832 अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। इसके लिए राज्य में सात चयन पर्षद बनाया गया है। चयन पर्षद द्वारा प्रतिदिन लगभग सात हजार से अधिक अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता की जांच की जा रही है।

अभ्यर्थियों की मौत की कराई जाएगी जांच

पुलिस मुख्यालय की ओर से कहा गया है कि उत्पाद सिपाही शारीरिक परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों की हुई मौत मामले की जांच कराई जाएगी। आईजी अभियान सह प्रवक्ता एवी होमकर ने कहा कि दुर्भाग्यवश कुछ केंद्रों में शारीरिक परीक्षा के क्रम में कुछ अभ्यार्थियों की मौत हो गई। इस मामले में यूडी केस दर्ज किया गया है। मृत्यु का कारण जानने का प्रयास किया जा रहा है।

यह है भर्ती की प्रक्रिया

झारखंड पुलिस में पुरुष सिपाही के पद पर भर्ती के लिए अभ्यर्थी को 60 मिनट में 10 किमी की दौड़ पूरी करनी पड़ती है। इस संबंध में गृह विभाग की ओर से वर्ष 2016 में ही नियमावली बनाई गई है। वर्ष 2017 में नियम में संशोधन कर झारखंड पुलिस में महिला सिपाही पद पर भर्ती के लिए 40 मिनट में 5 किमी की दौड़ पूरी करने का प्रावधान किया गया। पहले इनके लिए 30 मिनट में पांच किमी की दौड़ का प्रावधान था। उत्पाद विभाग के सिपाहियों की नियुक्ति के लिए भी यही नियमावली है।

जरूरी खबर

शिविर में 479 यूनिट रक्त एकत्रित

जयपुर। श्रीअवध बिहारी पारीक चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में स्वर्गीय अवध बिहारी पारीक पुलिस निरीक्षक मुख्यमंत्री सुरक्षा की आठवीं पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सिरसी के शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयोजित कार्यक्रम का पूर्व कैबिनेट मंत्री लालचंद कटारिया, पूर्व कैबिनेट मंत्री अशोक चांदना, पूर्व विधायक सुरेंद्र पारीक ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में अनिल चोपड़ा प्रत्याशी जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र, अभिषेक चौधरी प्रत्याशी झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र, ओपी सहारण पूर्व ओएसडी एवं आलोक पारीक भाजपा नेता मौजूद रहे। शिविर में 479 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। अंत में गौरव पारीक एवं मीडिया प्रभारी अभिषेक पारीक ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया

बागडे ने महारक्त दान शिविर का किया शुभारंभ

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को अखिल भारतीय गो शाला सहयोग परिषद द्वारा गो ऋषि प्रकाशदास महाराज के सान्निध्य में आयोजित महारक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने वहां रक्तदान करने वाले दानदाताओं से संवाद करते हुए उनका अभिनंदन किया और प्रमाणपत्र प्रदान किए। उन्होंने इस दौरान कहा कि रक्तदान महादान है। यह जीवनदान हैं। यह करके आप कहीं भी किसी की जान बचा सकते हैं। बागडे ने कहा कि मानव जीवन की रक्षा के लिए रक्तदान अमूल्य है। इसके लिए निरंतर जागरूकता की जाए और अधिकाधिक लोगों को इसके लिए प्रेरित किया जाए।

लोकसभा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्रियों से मिले CM भजनलाल

बेधड़क | नई दिल्ली

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली प्रवास के दौरान लोकसभा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्रियों मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राजस्थान के समग्र विकास, प्रगति एवं जनकल्याण से संबंधित विभिन्न योजनाओं के संदर्भ में चर्चा की। सीएम ने प्रदेश के विकास और जनहित से जुड़े हुए विभिन्न विषयों पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से नई दिल्ली में भेंट कर चर्चा की। इसके साथ ही सीएम शर्मा ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एवं केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से शिष्टाचार भेंटकर प्रदेश में दिसंबर में आयोजित होने वाले 'राइजिंग राजस्थान' इंवेस्टमेंट समिट-2024 की विस्तृत कार्ययोजना एवं प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में निवेश आकर्षण सहित महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की।

फील्ड से फीडबैक लेकर कसेंगे अपराधों पर लगाम

आज से अपनी-अपनी रेंज के दौरे पर रहेंगे पुलिस अफसर

■ कानून व्यवस्था, अपराधों की स्थिति एवं लंबित प्रकरणों की करेंगे मौके पर समीक्षा

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर पुलिस मुख्यालय से प्रदेश के अतिरिक्त महानिदेशक स्तर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सोमवार से अपने प्रभार वाली पुलिस रेंज का सघन दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री शर्मा द्वारा सीएमओ में शनिवार को ली गई गृह विभाग की समीक्षा बैठक में इस बाबत विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

पुलिस महानिदेशक डीजीपी उत्कल रंजन साहू ने बताया कि पुलिस मुख्यालय की ओर से सभी रेंज प्रभारी अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एडीजी) को रेंज का दौरा कर कानून व्यवस्था की स्थिति एवं अपराधों की रोकथाम एवं पेंडिंग प्रकरणों की समीक्षा कर विस्तृत रिपोर्ट भिजवाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

डीजीपी ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा समीक्षा बैठक में प्रदेश में कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की स्थिति को चाक-चौबंद बनाने के लिए अतिरिक्त सजगता बरतने को कहा गया है। इसकी पालना में सभी रेंज प्रभारी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को अपनी रेंज के पुलिस जिलों की विजिट के दौरान वहां कमजोर वर्गों, महिला व बच्चों के विरुद्ध अपराध एवं साइबर सुरक्षा से मामलों पर नियंत्रण के लिए किए जा रहे प्रयासों के साथ ही इनके पेंडिंग प्रकरणों की समीक्षा के लिए पाबंद किया गया है। इसके अलावा सभी रेंज प्रभारी एडीजी मादक पदार्थों से संबंधित मामलों पर की स्थिति एवं अन्य गंभीर प्रकृति के अपराधों पर नियंत्रण की समीक्षा कर पेंडिंग प्रकरणों के बारे में अपनी रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को प्रस्तुत करेंगे।

साइबर क्राइम पर रोकथाम जरूरी: भजनलाल

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराध के खिलाफ पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति से सख्त से सख्त कार्रवाई करे। उन्होंने पुलिस विभाग को पूर्ण मुस्तैदी से प्रदेश में आमजन को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सीएम ने मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रदेश में कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक ली।

सीएम ने पुलिस महकमे के अफसरों को निर्देश दिए कि साइबर क्राइम पर रोकथाम जरूरी है। इसके लिए आमजन को जागरूक किया जाए एवं अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रखें। साथ ही नारकोटिक्स से संबंधित मामलों एवं अवैध खनन पर भी त्वरित कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग को बदलते समय के साथ सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखनी है। इसके लिए आईटी विशेषज्ञों की सहायता ली जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं को सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में महिला सुरक्षा को लेकर कालिका यूनिट के गठन की कार्यवाही को शीघ्र पूरा किया जाए। बैठक में गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, पुलिस महानिदेशक यूआर साहू, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

ये वरिष्ठ अधिकारी रहेंगे अपनी रेंज के दौरे पर

पुलिस महानिदेशक ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर एडीजी बिनीता ठाकुर जयपुर रेंज और जयपुर आयुक्तालय, आनंद एडीजी भरतपुर रेंज, एडीजी एस सेंगाथिर कोटा रेंज, एडीजी सचिन मित्तल अजमेर रेंज, एडीजी अनिल पालीवाल जोधपुर रेंज एवं कमिश्नरेट, एडीजी बिपिन कुमार पांडेय सीकर रेंज, एडीजी हवा सिंह घुमरिया बीकानेर रेंज, एडीजी डॉ. प्रशाखा माथुर पाली रेंज तथा एडीजी संजीब नर्जरी उदयपुर एवं बांसवाड़ा रेंज का प्रभारी के तौर पर दौरा करेंगे। साहू ने बताया की सभी रेंज प्रभारी एडीजी अपने दौरे के दौरान सुरक्षा सखियों से बात कर महिला एवं बाल अपराधों से संबंधित प्रकरणों के बारे में अलग से फीडबैक लेंगे। इसके साथ ही सभी रेंज में निर्भया स्क्वाड, एंटी रोमियो स्क्वाड और महिला हेल्पलाइन की सक्रियता और वे कैसा काम कर रही है, इसकी मौके पर विस्तार से समीक्षा की जाएगी।

भीलवाड़ा में एसीबी का एक्शन

ACB ने ASI को 1 लाख की रिश्वत लौटाते पकड़ा

■ कांस्टेबल मौके से फरार

बेधड़क | जयपुर

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की विशेष शाखा ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए भीलवाड़ा जिले के गुलाबपुरा थाने में तैनात एएसआई नेतराम चौधरी को 1 लाख रुपए की रिश्वत राशि वापस देते गिरफ्तार किया है, वहीं कार्रवाई की भनक लगते ही सहयोगी कांस्टेबल मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजराज सिंह चारण ने बताया कि एसीबी कार्यालय में एक परिवादी उपस्थित हुआ, जहां परिवादी ने कहा कि 10 अगस्त को मेरा बेटा और उसका दोस्त ब्यावर जिले के विजयनगर क्षेत्र से गाड़ी में 3 लाख 60 हजार रुपए लेकर आ रहे थे। इसी दौरान गुलाबपुरा थाने में तैनात एएसआई नेतराम जाट और कांस्टेबल रफीक खान ने परिवादी के बेटे व उसके साथी को धमकाते हुए केस में बंद करने की धमकी दी और पारिवादी के बेटे से 3 लाख 60 हजार रुपए लेकर अपने पास रख लिए और 7 लाख रुपए रिश्वत राशि की मांग की।

बृजराज सिंह चारण ने बताया कि परिवादी के बेटे से पूर्व में लिए गए 3 लाख 60 हजार व 1 लाख 40 हजार रुपए और लिए ऐसे में 5 लाख रुपए की रिश्वत ली, जहां एसीबी टीम ने एएसआई नेतराम चौधरी द्वारा परिवादी को 1 लाख रुपए की रिश्वत राशि लौटाते गिरफ्तार कर लिया है, वहीं सहयोगी कांस्टेबल रफीक खान फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

पुलिसकर्मियों ने धमकाने का किया प्रयास

बताया गया कि ट्रेप कार्रवाई से पहले परिवादी को पुलिस कर्मियों ने धमकाने का प्रयास किया। आरोपी पुलिसवाले ने कहा कि तेरे बेटे ने हमारा व्हाट्सएप कॉल रिकॉर्ड कर लिया है। बेटे ने हमारी फोन की रिकार्डिंग कर ली है। उसे डिलीट करने पर ही हम आपको 3 लाख रुपए वापस कर देंगे। इस पर एसीबी के उप महानिरीक्षक पुलिस रणधीर सिंह के सुपरवीजन में एसीबी की भीलवाड़ा-प्रथम इकाई के एएसपी ब्रजराज सिंह चारण के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया।

विधानसभा होगी पेपरलेस: देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी रविवार को विप्र फाउंडेशन के कार्यक्रम में शामिल होने अलवर पहुंचे। उन्होंने अलवर के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि लोकसभा की तरह राजस्थान विधानसभा के भी साल में कम से कम तीन सत्र हों, इसके लिए आगामी नवंबर में सत्र बुलाने का प्रयास किया जाएगा। अधिकारियों की जबावदेही तय करने के लिए विधायकों के ज्यादातर सवालों के जबाव दिलाने के प्रयास किए जाएंगे। इसके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष ने अलवर के भर्तृहरि धाम व पांडूपोल हनुमान मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना कर देश-प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

उदयपुर में 28वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में 157 भामाशाहों का किया अभिनंदन

अब शिक्षा मंत्री बोले- 'अकबर को नहीं बताया जाएगा महान'

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर रविवार को उदयपुर सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में आयोजित 28वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में शिरकत की।

इस मौके पर दिलावर ने कहा कि अब कभी भी अकबर को महान बताकर स्कूल में नहीं पढ़ाया जाएगा। वर्षों तक अकबर ने देश को लूटने का काम किया। अकबर को महान बताने वाले अब आगे नहीं आ पाएंगे। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने मेवाड़ की आन, बान और शान के लिए सर्वोच्च न्योछावर कर दिया, लेकिन कभी भी महाराणा प्रताप को महान नहीं बताया, यह निंदनीय है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा देना सबसे बड़ा धर्म है। सभी भामाशाह देवतुल्य हैं। भामाशाहों द्वारा दिए जाने वाले एक-एक पैसे का सदुपयोग होगा। दिलावर ने कहा कि 1997 में पूर्व मुख्यमंत्री शेखावत ने भामाशाहों से सहयोग लेने की परिपाटी शुरू की। राजस्थान भामाशाह की परंपरा वाली धरती है, यहां महाराणा प्रताप के समय में जब महाराणा प्रताप को जंगलों में रहना पड़ा तो भामाशाह ने उन्हें अपना सर्वस्व धन महाराणा प्रताप को दे दिया।

बोले- 'महाराष्ट्र में CM बनने का दिया था' आशीर्वाद

प्रज्ञा सागर महाराज के जन्म जयंती समारोह में पहुंचे MP के CM यादव

बेधड़क | जयपुर

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव एक दिन के दौरे पर रविवार को झालावाड़ पहुंचे। सीएम मोहन यादव ने झालरापाटन के एसटीसी मैदान में आयोजित जैन संत प्रज्ञा सागर महाराज के 52वें जन्म जयंती समारोह में हिस्सा लिया। समारोह को संबोधित करते हुए सीएम मोहन ने कहा कि हमने स्वर्ग तो नहीं देखा, लेकिन महाराज प्रज्ञा सागर के सानिध्य में रहकर स्वर्ग की अनुभूति इस धरती पर कर सकते हैं। जैन संत प्रज्ञा सागर महाराज के 52वें जन्म जयंती समारोह शामिल हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि उन्हें महाराज प्रज्ञा सागर का आशीर्वाद हमेशा मिलता रहा है, पहले भी वह दो बार महाराष्ट्र के सागर में जन्म जयंती समारोह में शामिल हुए हैं।

2 साल पहले महाराष्ट्र समारोह में महाराज ने मुख्यमंत्री बनने का आशीर्वाद दिया था। आज वे तीसरी बार महाराज के जन्म जयंती समारोह में पहुंचे हैं। साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी इच्छा है कि आगे भी इसी प्रकार से वह महाराज प्रज्ञा सागर के जन्म जयंती समारोह में शामिल होते रहें।

यादव का किया स्वागत

इससे पहले मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव हेलिकॉप्टर से जीमेहमी स्टेडियम झालावाड़ पहुंचे। यहां पर यादव का प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्प गुच्छ भेंटकर और माला पहनकर अभिनंदन किया। यहां पर कलेक्टर-एसपी और पूर्व विधायक अनिल जैन, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष संजय जैन, आरपीएससी के पूर्व अध्यक्ष श्यामसुंदर शर्मा, पूर्व विधायक निर्मल सकलेचा, भजपा नेता मुकेश चेलावत, मंडल अध्यक्ष सीएम धाभाई, एडवोकेट दीपेश भार्गव, नितेश परमार समेत भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इसके बाद सड़क मार्ग से झालरापाटन के लिए रवाना हो गए। इस दौरान बड़ी संख्या में सुरक्षा व्यवस्था में पुलिसकर्मी तैनात रहे।

'महाराज के मार्गदर्शन में करते रहेंगे काम'

सीएम यादव ने अपने संबोधन में कहा कि महाराज का आशीर्वाद लगातार मेरे साथ बना हुआ है और मैं महाराज की जन्म जयंती के अवसर पर ऐसा महसूस कर रहा हूं, जैसे सारा उत्सव मेरे जन्मदिन के लिए हो रहा हो। झालरापाटन और झालावाड़ में जनता का प्यार और स्वागत सत्कार देखर वह अभिभूत हैं। महाराज के मार्गदर्शन में वह लगातार काम करते आ रहे हैं और आगे भी काम करते रहेंगे। आने वाला सिंहस्थ मेला उनके मुख्यमंत्री काल में होगा, जिसमें भी महाराज का मार्गदर्शन उनको मिलता रहेगा। साथ ही मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को उनका स्वागत करने में पहुंचने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

जरूरी खबर

अमावस्या पर कुशा ग्रहण अनुष्ठान आज

जयपुर। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय में सोमवार को कुशग्रहणी अमावस्या पर वेदमंत्रों के उच्चारण से कुशा का पूजन और उसका ग्रहण होगा। राजस्थान मंत्र प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. देवेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि पुराणों के अनुसार इसी तिथि पर कुशा का विधि-विधान से ग्रहण किया जाता है। कुशा वैदिक और पौराणिक यज्ञों में काम ली जाती है। यज्ञ ही धर्म का विशाल स्वरूप है। उन्होंने बताया कि कुलपति प्रो. रामसेवक दुबे की अध्यक्षता में दोपहर एक बजे कुशा ग्रहण अनुष्ठान विश्वविद्यालय में होगा, जिसमें अनेक वैदिक विद्वान और स्नातक भाग लेंगे।

दंपती को बंधक बनाकर लूटने वाले गिरफ्तार

जयपुर। बगरू थाना पुलिस ने रात के समय भेड़-बकरियां चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए 6 आरोपियों अलवर निवासी वकील बंजारा, सूरज बंजारा, पांडू बंजारा, महेंद्र बंजारा, बच्चन बंजारा और बच्चू बंजारा को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने वारदात के लिए उपयोग में ली गई पिकअप को भी जब्त कर लिया है। डीसीपी वेस्ट अमित कुमार ने बताया कि आरोपियों ने छितरोली गांव में 13 अगस्त, 2024 की रात को पीड़ित मदनलाल गुर्जर और उसकी पत्नी को बंधक बनाकर भेड़-बकरियां चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी उसकी पत्नी का नाक का आभूषण, कान के सोने के टॉप्स, चांदी की पाजेब भी लेग ए थे।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

गणेश जन्मोत्सव: ताल, त्रिताल, धमार व पंचमसवारी में शुद्ध कथक नृत्य की प्रस्तुति

गजानन को 36 मिठाई और 16 प्रकार की नमकीन का भोग

बेधड़क | जयपुर

मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में गणेश जन्मोत्सव के तहत रविवार को प्रथम पूज्य के समक्ष छप्पन भोग की झांकी सजाई गई। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान गणपति के दर्शन करने के लिए मंदिर पहुंचे।

वहीं, देर शाम को जयपुर के कलाकारों ने भगवान गणेशजी को प्रिय कथक नृत्य की प्रस्तुतियां भी दी गई। मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में में गणेश चतुर्थी महोत्सव के लिए मोदक झांकी सजाने, सिंजारे की मेहंदी कार्यक्रमों की तैयारियां भी अंतिम चरण में चल रही है।

गाय के दूध और देशी घी से बनाया भोग

मोती डूंगरी गणेश मंदिर के महंत श्री कैलाश शर्मा ने बताया कि भगवान गणेश के जन्मोत्सव का शुभारंभ शनिवार को पुष्य नक्षत्र अभिषेक के साथ हुआ। दूसरे दिन रविवार को छप्पन भोग की झांकी सजाई गई। छप्पन भोग के व्यंजनों में गाय का दूध और देशी घी का इस्तेमाल किया गया। भगवान गणपति को 36 प्रकार की मिठाई व 16 प्रकार की नमकीन का भोग लगाया गया। इनमें रसगुल्ला, हलवा, पेड़ा, जलेबी, लड्डू, शकरपारा, मठरी, गुलाब जामुन, मोहनथाल जैसे व्यंजनों का भगवान को भोग लगाया गया।

कथक नृत्य से रिझाया गणपति को

रविवार शाम को साथ ही भगवान के समक्ष डॉ. स्वाति अग्रवाल के निर्देशन में कथक नृत्य की प्रस्तुतियां भी दी गई। कथक नृत्यांगना डॉ. स्वाति अग्रवाल ने अपने शिष्याओं के साथ कथक नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति दी। डॉ. स्वाति अग्रवाल ने गणेश वंदना विघ्न हरण गवरी के नंदन प्रस्तुत की। इसके अतिरिक्त उनकी शिष्याओं ने ताल, त्रिताल, धमार व पंचमसवारी में शुद्ध कथक नृत्य की प्रस्तुति दी। इसके अतिरिक्त गणेश संकटनाशन स्तोत्रम प्रस्तुत किया। गणेश जी की आरती सुखकर्ता दुखहर्ता का सुंदर प्रस्तुतीकरण किया। इसके अतिरिक्त भजन-प्रथम नमो गिरजा सूत गणपति से गणपति को रिझाया। उनके साथ गायन पर पंडित मुन्नालाल भाट, तबले पर महेंद्र डांगी, पढंत पर पंडित कौशल खान पंवार व सितार पर श्री हरिहर भट्ट चरण ने संगत की।

घर से कर सकेंगे गणेशजी के लाइव दर्शन

मोतीडूंगरी गणेश मंदिर से भगवान गणेशजी के लाइव दर्शन के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि गणेशजी की तस्वीर वाला विशेष स्कैनर तैयार किया गया है। मोबाइल से इसे स्कैन करने पर भक्त मंदिर से सीधे गणेशजी के लाइव दर्शन कर सकेंगे।

संत समागम प्रबुद्धजन संगोष्ठी: हिंदू आध्यात्मिक सेवा मेला 26 से

हिंदुत्व के लिए साधु-संतों ने भरी हुंकार बोले- जातियों में नहीं बांटें

बेधड़क | जयपुर

हिंदू आध्यात्मिक और सेवा फाउंडेशन की ओर ये चतुर्थ हिंदू आध्यात्मिक और सेवा मेले का अयोजन 26 सितंबर से 30 सितंबर तक दशहरा मैदान आदर्श नगर जयपुर में आयोजित किया जाएगा। इसके लिए रविवार को संत समागम प्रबुद्धजन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश के सभी महामंडलेश्वर और विभिन्न मठों के मठाधीशों और व्यापार मंडल के अध्यक्षों और सामाजिक संगठनों के प्रबुद्ध जनों ने हिंदुत्व पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

एचएसएस फाउंडेशन के प्रदेश सचिव सोमकांत शर्मा ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रबुद्ध जनों ने हिंदुओं द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किया जा रहे सेवा कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की और बताया कि हिंदुत्व बिना सेवा कार्य अधूरा है। सभी संतों ने हिंदू जीवन पद्धति में अध्यात्म का महत्व और बच्चों में बचपन से ही आध्यात्मिक किताबें और सनातन धर्म के प्रति जागरूकता लाने के ऊपर अपने विचार रखे हैं।

ये संत रहे मौजूद

कार्यक्रम में स्वामी सर्वदर्शन महाराज, स्वामी वेदांती हरिशंकर दास महाराज, स्वामी बसंतानंद महाराज, स्वामी राधेप्रिय प्रभु, स्वामी तिलकाचार्य हरिदास, जैन मुनि डॉ. संयमरत्न विजय, बालकृष्ण आर्य, वेलांती धवलेश्वर कासा, स्वामी वंशलाल महाराज, स्वामी सर्वदर्शन महाराज (धर्मगुरु स्वामी नारायण मंदिर), स्वामी श्रीचिप गुरु (अध्यक्ष) (संघालचीर धरिकास) डॉ. शंकरलाल विजय, स्वामी लवकृष्ण महाराज-राष्ट्रीय संत, प्रेम मंदिर (रामपुरहाट), स्वामी गोपाल महाराज, महामंडलेश्वर महेन्द्रा दास, पं. गिर्जेश तिवारी महाराज, पं. ब्रज धाम वासन, राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर गोसांईजी (टोगाजी) झांझरा, पं. रमणीकदासजी (देवलसुरा), पं. तारचन्द शर्मा महाराज - धर्म जागरण मंच (देवलसुरा), ब्राह्मण पंचायत राजकीय द्वारा गोठ (खतूधाम), पं. महेन्द्र पाल शर्मा, पं. किशन मुरारी आसलपुर (देव), पं. विष्णुगोपाल शर्मा (सत्तारामधाम), गिर्जेश तिवारी महाराज, पं. ब्रज धाम वासन, पं. श्री रमणीकदास और विभिन्न धार्मिक स्थलों के संत मौजूद रहे।

सामाजिक कार्य करने का संकल्प

कार्यक्रम स्वामी नारायण मंदिर के प्रांगण में हुआ, जिसमें 35 संतों और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रबुद्ध जन व्यापार मंडल के प्रमुख लोग उनके महामंत्रियों की उपस्थिति रही। हिन्दू समाज हमेशा से ही जीवन के अंदर एक प्रेरणा देने वाला समाज रहा है। यह सभी संगठन जो आज इस कार्यक्रम में आएं हैं। उन्होंने हिंदू आध्यात्मिक सेवा मेले में सक्रिय भूमिका निभाने और सामाजिक कार्य करने का संकल्प लिया है। सभी प्रकार के संगठन हिंदू के नाते सेवा कार्यों में सहयोग करेंगे और भारतीय संस्कृति को बचाने के लिए सब मिलकर सहयोग करेंगे।

हिन्दुत्व अपने आप में पूरा समाज

विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि हिंदू समाज को अलग-अलग धर्म में अलग-अलग संगठनों में या अलग-अलग जातियों में बांटने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हम सब हिंदू है और हिन्दुत्व अपने आप में ही एक पूरा का पूरा समाज है। हम एकजुट होकर हर समस्या का समाधान निकाल सकते हैं हमें हमारे बच्चों को बचपन से ही आध्यात्मिक और पौराणिक कथाओं का वर्णन और ज्ञान देना चाहिए, जिससे हमारे समाज में व्याप्त बुराइयों को हम मिटा सके। एचएसएस फाउंडेशन की ओर से राष्ट्रीय संयोजक गुणवंत सिंह कोठारी, चेयर पर्सन किशोर रुंगटा, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बापना, कोषाध्यक्ष दिनेश पितलिया कार्यक्रम संयोजक हरिहर पारीक ने भी अपने-अपने विचार रखें।

विहिप के षष्ठीपूर्ति सप्ताह का समापन

समाज को संवेदनशील होने की जरूरत, राह भटक रहे हैं युवा

बेधड़क | जयपुर

विश्व हिंदू परिषद के षष्टिपूर्ति सप्ताह के समापन पर जयपुर महानगर के जिलों मे हिंदू सशक्तिकरण और जनजागृति के कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके तहत जन जागरण आम सभा का आयोजन रविवार दोपहर मालवीय नगर पाथेय कण भवन में किया गया।

दिव्यज्योति जागृति संस्थान की अध्यक्ष साध्वी लोकेशा भारती ने कहा कि कोलकाता की घटना से हमारे समाज को संवेदनशील होने की आवश्यकता है जो संवेदनशीलता कभी पूर्व में हमारे समाज का आधार हुआ करती थी। आज के समय में हिंदू समाज में सबसे बड़ी कमी आत्मज्ञान की है, युवा अपनी राह से भटक रहे हैं। प्रांत मंत्री राधेश्याम गौतम ने संगठन के इतिहास, संघर्ष और उपलब्धियों के बारे में आम जनता को अवगत कराया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विशेष सम्पर्क प्रमुख सुलभ शुक्ला, जयपुर प्रांत मातृशक्ति संयोजिका सुजाता पारीक, मालवीय जिला मंत्री अनिल गुप्ता, विशेष सम्पर्क विभाग से संजय शर्मा और गजेंद्र सिंह, और मालवीय जिला कार्यकारिणी समेत मातृशक्ति बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी की बहनें भी उपस्थित रहीं। सांगानेर जिला का कार्यक्रम होटल गीतांजलि सीतापुरा में संघ के विभाग संघचालक डॉ. रामकरण शर्मा, विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय विशेष संपर्क प्रमुख शुलभ शुक्ला के सानिध्य में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विहिप जयपुर महानगर मंत्री राकेश कुमार शर्मा ने कहा कि हिंदू समाज संगठित नहीं है, इसलिए हिंदू एकता पर जोर देना चाहिए। कार्यक्रम में प्रांत सह समरसता प्रमुख रतन सिंह चंद्रावत, विहिप जिला उपाध्यक्ष बबीता शर्मा, जिला मंत्री विष्णु शर्मा, मातृशक्ति संयोजिका सरिता चौधरी के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रतापनगर थाना पुलिस ने दो बदमाशों को किया अरेस्ट

घर के बाहर बैठी थी, चेन तोड़ ले गए

बेधड़क | जयपुर

घर के बाहर बैठकर अखबार पढ़ रही महिला को बदमाशों ने पहले धक्का देकर गिराया। इसके बाद गले से सोने की चेन तोड़कर ले गए। प्रताप नगर थाने में पीड़िता ने चेन स्नेचिंग करने वाले दोनों बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने फुटेज के आधार पर चिह्नित कर बदमाश देशराज मीणा (25) और रवि मीणा (28) निवासी बालघाट गंगापुर सिटी को अरेस्ट किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई सोने की चेन भी बरामद

कर ली है। एएसआई अशोक कुमार ने बताया कि लूट की वारदात जगतपुरा प्रताप नगर निवासी गीता जोशी के साथ हुई। 30 अगस्त सुबह करीब 8:15 बजे वह घर के बाहर गेट पर बैठकर न्यूज पेपर पढ़ रही थी। इस दौरान दो बदमाश खड़े होकर रेकी कर रहे थे। उनमें से एक बदमाश मकान की दीवार कूदकर अंदर आया। बदमाश ने धक्का देकर उसे गिरा दिया। वह संभल पाती उससे पहले ही गले पर झपट्टा मारा। गले से सोने की चेन तोड़ने के बाद दोनों बदमाश तेजी से भाग निकले। शोर मचाकर पीड़िता ने पीछा भी किया, लेकिन दोनों बदमाश आंखों से ओझल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। सीसीटीवी फुटेजों को खंगालकर आरोपियों की पहचान कर अरेस्ट कर लिया।

बात करने के लिए युवक के टॉर्चर से परेशान युवती ने किया सुसाइड

रात को पीड़ा बताई, सुबह लगा ली फांसी

बेधड़क | जयपुर

एक युवक के टॉचर से परेशान होकर 12वीं क्लास की छात्रा ने सुसाइड कर लिया। छात्रा घर में फंदे से लटकी मिली। परिजन के अनुसार, उसने छात्रा को मोबाइल भी दे रखा था। बात नहीं करने पर पापा का एक्सीडेंट करवाने और छोटे भाई को मारने की धमकी दी थी।

मामला मुहाना थाना इलाके का है। छात्रा के पिता ने आरोपी विष्णु शर्मा (30) के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करवाया। एसआई मुकेश कुमार ने

बताया कि अचरवाला (सांगानेर) की रहने वाली मोना (19) पुत्री रामावतार जांगिड़ ने सुसाइड किया है। गुरुवार दोपहर 12 बजे पिता रामावतार जांगिड़ अपनी फर्नीचर शॉप पर चले गए थे। बड़ी बहन और छोटा भाई मां के साथ किसी काम से बाहर चले गए। मोना घर में अकेली थी। इस दौरान उसने कमरे में चुन्नी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया।

दोपहर करीब 1 बजे परिजन घर लौटे तो इसका पता चला। छात्रा के पिता रामावतार जांगिड़ ने रिपोर्ट में बताया कि घर के पास स्थित श्याम धर्मकांटा पर बैठने वाला विष्णु शर्मा काफी समय से बेटी को परेशान कर रहा था। मैंने विष्णु को बैठाकर समझाया। कुछ दिन सही रहने के बाद दोबारा विष्णु ने मोना को परेशान करना शुरू कर दिया। मोना के बताने पर दोबारा विष्णु को बुलाकर समझाया था। छात्रा की बड़ी बहन राधा का कहना है कि सुसाइड से पहले रात में मोना कह रही थी कि विष्णु शर्मा ने अब भी उसका पीछा नहीं छोड़ा है। बात नहीं करने पर पापा का एक्सीडेंट करवाने और छोटे भाई को मारने की धमकी देता है। उसके टॉर्चर से परेशान हो चुकी हूं। मैं अब और सहन नहीं कर सकती। गुरुवार सुबह मोबाइल लौटाकर आने के बाद वह डरी-सहमी लग रही थी।

जयपुर पुलिस कमिश्नर ने दी ऐप की जानकारी

'सिटीजन' घर बैठे करेगा नौकर-किराएदार का सत्यापन

बेधड़क | जयपुर

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने रविवार को महेश नगर थाना इलाके में नजर सिटीजन ऐप का प्रमोशन किया। इस ऐप में आप बिना थाने जाए अपने नौकर और किराएदारों का सत्यान करवा सकते हैं।

इस दौरान उनके साथ एडिशनल पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप, एडिशनल डीसीपी साउथ पारस जैन सहित कमिश्नरेट के अधिकारी और पुलिस जाप्ता मौजूद रहा।महेश नगर व्यापार मंडल के सदस्यों को इस दौरान एडिशनल पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप ने बताया कि नजर सिटीजन ऐप का इस्तेमाल बहुत आसान है।

ऐसे भरें अपनी डिटेल

पहले प्ले स्टोर में जाए और नजर ऐप को इंस्टॉल करें। ऐप जैसे ही ओपन होगी गेट स्टार्ट पर क्लिक करना होगा। फिर आप के मोबाइल पर एक ओटीपी आएगा। ओटीपी डाल कर वेरिफाई ओटीपी पर क्लिक करें। ऐप आप की लोकेशन पर एक्सेस मांगेगा तो वाइल यूजिंग दी ऐप पर क्लिक करें। इस के बाद इन्फॉर्मेशन शेयर कर दें। इसमें आप का नाम, पिता का नाम ईमेल आईडी भर दें। इसके बाद नेक्ट बटन दबने पर राज्य का कॉलम आएगा। स्टेट सलेक्ट करें फिर सिटी सलेक्ट करें, फिर थाना सलेक्ट करें उसके बाद आप का पता और पिनकोड भर दें। इस के बाद आप से आईडी मांगी जाएगी। इसमें आप किसी को भी चुन सकते हैं। इसके बाद आप का प्रोसेस पूरा हो जाएगा।

ऐसे भरें मकान की डिटेल

इस के बाद आप ऐप को दोबारा से ओपन करें। इसके बाद डैशबोर्ड पर बहुत सारे विकल्प नजर आएंगे। विकल्प को चुन कर आगे बढ़े। अगर आप मकान मालिक है तो प्रॉपर्टी के विकल्प को चुने इसके बाद बिजली के बिल पर आने वाला 12 अंकों का के नम्बर डालें,जिसके बाद एंटर प्रॉपर्टी नेम के विकल्प में अपने मकान का नाम और पूरा पता भरें। फिर अगले विकल्प में आप प्रोपर्टी चुने, फिर एक दोबारा से राज्य शहर और थाना चुने। इसके बाद आप को अपनी प्रॉपर्टी की फोटो अपलोड करनी होगी। इसके लिए मकान की 3 अलग-अलग फोटो खींचकर अपलोड कर दे, सब्मिट पर क्लिक कर देंगे तो पुलिस को आप की जानकारी पहुंच जाएगी। इसी प्रकार से किरायेदार की जानकारी भी साझा करनी हैं।

अस्पतालों में निशुल्क दवा का पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशों पर प्रदेशभर में मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना के तहत दवाओं की सुचारू आपूर्ति एवं उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। अस्पतालों में सुचारू दवा आपूर्ति के लिए राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन एवं सभी चिकित्सा संस्थान प्रभारियों को समुचित कार्रवाई के लिए निर्देश दिए गए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के तहत दवा आपूर्ति की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जा रही है। हमारा प्रयास है कि सभी चिकित्सा संस्थानों में दवाओं की शत-प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित हो। आरएमएससीएल को निर्देश दिए गए हैं कि सभी दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रहे। इस संबंध में स्टॉक संबंधी गाइडलाइन की समुचित पालना सुनिश्चित की जाए। सवाई मानसिंह चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी ने बताया कि अस्पताल में दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों द्वारा रोगियों के उपचार के अनुसार कुछ दवाएं अधिक स्ट्रेन्थ की लिखी जाती हैं और कभी-कभी दवा वितरण केंद्रों पर कम स्ट्रेन्थ की दवा उपलब्ध होती है। जैसे 40 मिलीग्राम स्ट्रेन्थ के स्थान पर 10 मिलीग्राम स्ट्रेन्थ की दवा उपलब्ध होना। इससे उपचार में किसी तरह की परेशानी नहीं आती। उन्होंने बताया कि एजिथ्रोमाइसिन दवा सभी वितरण केंद्रों पर उपलब्ध है।

जरूरी खबर

उदयपुर-आगरा वंदे भारत ट्रेन आज से होगी शुरू

उदयपुर। उदयपुर-आगरा कैंट वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत 2 सितंबर से होगी। इस ट्रेन का ठहराव बूंदी स्टेशन पर भी होगा। नए रूट पर इसे हाल ही जोड़ा गया है। उदयपुर से यह ट्रेन सुबह 5:45 बजे आगरा के लिए रवाना होगी और सुबह 9:08 बजे बूंदी स्टेशन पर पहुंचेगी। सफर 3:23 घंटे में पूरा होगा। वापसी में आगरा से दोहपर 3 बजे रवाना होकर शाम 7:38 बजे बूंदी पहुंचेगी। जयपुर-उदयपुर वंदे भारत ट्रेन सप्ताह में 3 दिन उदयपुर से आगरा कैंट के बीच संचालित होगी। जो उदयपुर, मावली, चदेरिया, बूंदी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी होते हुए आगरा कैंट स्टेशन तक जाएगी।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

भरतपुर। जिले के धोरमुई क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। हादसे में युवक का धड़ से सिर अलग हो गया। जीआरपी थाने के हेड कांस्टेबल ओमप्रकाश ने बताया कि हजरत निजामुद्दी-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक ट्रेन से युवक के कटने की सूचना मिली। सूचना पर धोरमुई के पास किमी खंभा नंबर 1212/17 के पास पहुंचे। घटनास्थल पर एक युवक का सिर कटा शव पड़ा हुआ था। कपड़ों में मिले कागजात से युवक की पहचान अलवर जिले के खेड़ली निवासी लोकेश कुमार (22) के रूप में हुई। शव की पहचान होने पर परिजनों को सूचित किया गया। रविवार को परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

NDPC केस में फंसाने पर निलंबित SI अरेस्ट

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ जिले में एक प्रकरण में मादक द्रव्य तथा मनोत्तेजक पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत षड्यंत्रपूर्वक कार्रवाई करने के मामले में मंडफिया थाने के तत्कालीन थानाधिकारी एवं निलंबित पुलिस उपनिरीक्षक यशवंत सोलंकी को गिरफ्तार किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि गत वर्ष 27 अक्टूबर को मंडफिया थाने के थानाधिकारी यशवंत सोलंकी द्वारा गीदाखेडा गांव में भंवरलाल खटीक को गिरफ्तार करके एक टेंपो एवं एमडी ड्रग जब्त की गई थी।

आतंक का अंत! वन विभाग की टीम ने दो पैंथरों को पकड़ा... तीन लोगों को बना चुका था शिकार

तीन दिन से चकमा दे रहा था पैंथर, आखिर पिंजरे में हुआ कैद

बेधड़क | राजसमंद

वन विभाग की टीम ने दो पैंथर को पकड़ने में सफलता हासिल की है। दरअसल, जिले में पिपलांत्री, पुठोल, मुंडोल, बोरज पंचायत क्षेत्र में तीन लोगों का शिकार करने के बाद लोगों के आक्रोश के चलते वन विभाग की ओर से कई दिनों से पैंथर को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे थे। ऐसे में वन विभाग के साथ ही ग्रामीणों ने भी राहत की सांस ली है।

राजसमंद जिले के धर्मेटा खनन क्षेत्र में पिछले कई दिनों से आतंक मचा रहा पैंथर शावक आखिरकार वन विभाग के पिंजरे में कैद हो ही गया। पकड़े गए पैंथर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें पिंजरे में बंद पैंथर चीखता हुआ और बेहद खूंखार दिखाई दे रहा है और जब कोई उसके पास जाता है तो वह अंदर से ही हमला करने की कोशिश करने लगता है।

वन विभाग की टीम ने बताया कि पिछले तीन दिनों से पिंजरा लगाया हुआ था, लेकिन पैंथर शावक बार-बार चकमा दे रहा था। आखिरकार बीती रात शिकार की तलाश में भटक रहा शावक पिंजरे में फंस गया। सुबह जब शावक के फंसने की खबर गांव में पहुंची तो उसे देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और तुरंत वन विभाग को इसकी सूचना दी।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे वनकर्मियों ने शावक को भीड़ से बचाने के लिए सबसे पहले पिंजरे को पत्तों से ढक दिया। साथ ही वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पैंथर शावक को पिंजरे सहित मौके से हटाकर वन विभाग ले आए। वनकर्मियों का कहना है कि वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पैंथर शावक का मेडिकल चेकअप कराया जाएगा और उसके बाद स्वस्थ पाए जाने पर उसे सुरक्षित जंगलों में छोड़ दिया जाएगा।

ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

राजसमंद में पिछले कुछ दिनों से पैंथर के जरिए वृद्ध और किशोर पर हमला करने के बाद ग्रामीणों की मांग पर वन विभाग ने पिपलांत्री पंचायत के धर्मेटा खनन क्षेत्र में पिंजरा लगाया था। रविवार को पैंथर का एक शावक पकड़ा गया. शावक के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। उन्होंने बताया कि संगमरमर की खाड़ियों के बीच पैंथर का पूरा परिवार मौजूद है, जो अक्सर शिकार की तलाश में आबादी क्षेत्र का रुख करता है और पालतू मवेशियों सहित इंसानों पर हमला करता है। फिलहाल इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि पिछले दिनों वृद्ध व किशोर पर इसी शावक ने हमला किया था या नहीं।

10 टीमें लगातार ड्रोन के जरिए कर रही सर्च

उपवन संरक्षक सुदर्शन शर्मा ने बताया कि रात पुठोल पंचायत के भुडान में एक मादा पैंथर को पकड़ा गया, जबकि पिपलांत्री व बोरज पंचायत की सरहद पर स्थित अंडेला में नर पैंथर भी पिंजरे में आ गया। दोनों पैंथर को राजसमंद लाया गया, जहां पशु चिकित्सकों की ओर से स्वास्थ्य जांच की जा रही है। राजसमंद के अलावा उदयपुर और जोधपुर वन विभाग की 10 टीमें लगातार पैंथर को ड्रोन के जरिए सर्च कर रही थी।

नारायण सेवा संस्थान का 42वां निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन

भव्य समारोह में 51 दिव्यांग जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

बेधड़क | उदयपुर

उदयपुर में नारायण सेवा संस्थान के 42वें निशुल्क दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह में रविवार को 51 जोड़े परिणय सूत्र में बंधें। संस्थान के बडी स्थित परिसर में आयोजित दिव्यांग एवं निर्धन विवाह समारोह में देशभर से बड़ी संख्या में आए अतिथियों एवं धर्म माता-पिताओं ने इन जोड़ों को प्रधानमंत्री के आह्वान 'एक पेड़ मां के नाम' थीम पर नवविवाहितों को तुलसी, अशोक, बिल्व और पीपल के पौधे भेंट करते हुए दाम्पत्य जीवन हरा भरा रहने का आशीर्वाद दिया।

इस तरह के स्नेह लुटाते हुए वातावरण ने हर किसी को अपनेपन से भर दिया। सामूहिक विवाह समारोह में रविवार को 51 दिव्यांग जोड़ों ने नए उत्साह और उमंग के बीच वैवाहिक जीवन की शुरुआत की। नारायण सेवा संस्थान के बडी स्थित परिसर में आयोजित समारोह में हर तरफ उत्साह ही उत्साह नजर आया। नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक पद्मश्री कैलाश मानव, सहसंस्थापिका कमला देवी अग्रवाल, अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, निदेशक वन्दना अग्रवाल, ट्रस्टी देवेंद्र चौबिसा व विशिष्ट अतिथि दिल्ली के कुसुम गुप्ता, नरेंद्रपाल सिंह, सत्यनारायण गुप्ता, बृजबाला, पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा, गुड़गांव के नितिन मित्तल, सूरत के हरीश कुमार, मुंबई के सतीश अग्रवाल और उदयपुर के संतोषसिंह शलूजा ने गणपति प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विवाह समारोह की वैवाहिक रस्मों की शुरुआत की।

मंगल गीतों के बीच वरमाला और आशीर्वाद समारोह

संस्थान परिसर में रविवार सुबह बिंदोली निकली और हाड़ा सभागार के द्वार पर तोरण की रस्म हुई। इसके बाद श्रीनाथजी की झांकी की आरती के साथ ही दिव्यांग वर वधु मंच पर पहुंचे तो हर किसी ने जोश और उमंग के साथ स्वागत किया। पुष्प वर्षा,आतिशबाजी और मंगल गीतों के बीच वरमाला और आशीर्वाद समारोह हुआ। इन जोड़ों में कोई दूल्हा दिव्यांग था, तो कोई दुल्हन। ऐसे जोड़े भी थे जिनमें दूल्हा और दुल्हन दोनों ही दिव्यांग। कोई बैशाखी के सहारे तो कोई व्हीलचेयर पर वैवाहिक जीवन की तरफ अग्रसर था। इनमें जन्मजात प्रज्ञाचक्षु जोड़ा भी शामिल था।

विशेष जोड़ियां और उनके प्रयास

समारोह में बिहार से आया एक जोड़ा ऐसा था जिसमें वर सुनील दोनों पांवों से दिव्यांग था, जबकि उसकी जीवन संगिनी बनी प्रिया सकलांग थी। उसने बताया कि दिव्यांगों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए इस तरह का समर्पण भी जरूरी है। डूंगरपुर की शांता दाहिने पैर से जन्मजात दिव्यांग है और प्रतापगढ़ के केसरीमल हाथ से अपाहिज है। इन दोनों की मुलाकात चिकित्सा संस्थान में हुई और यही मिलते हुए जीवन साथी बनने का फैसला किया।

विदाई में नम हुई आंखें

विवाह समारोह में वरमाला के बाद 51 वेदियों पर आचार्यो ने मुख्य आचार्य के निर्देशन में वैदिक मंत्रों के साथ पवित्र अग्नि के सात फेरों की रस्म अदायगी के साथ पाणिग्रहण संस्कार संपन्न करवाया। इस दौरान जूते छुपाई और नेग अदायगी रस्म भी निभाई गई। फेरों की रस्म के बाद विदाई के वक्त हर किसी की आंखें नम थी। दुल्हनों को डोली में बिठाकर उनके विश्राम स्थल तक पहुंचाया गया, जहां से संस्थान के वाहनों से दूल्हा-दुल्हन ने अपने-अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान किया।

हिंदू संगठनों की शिकायत पर एक्शन

बयाना में धर्मांतरण को लेकर पुलिस की रेड

बेधड़क | भरतपुर

जिले के बयाना कस्बे में एक बार फिर धर्म परिवर्तन का मामला सामने आया है। यहां एक घर में बड़ी संख्या में महिला-पुरुषों को प्रार्थना सभा के नाम पर बुलाकर ईसाई धर्म अपनाने का प्रलोभन दिया जा रहा था। कुछ हिंदू संगठनों के लोगों ने इसका विरोध किया। एसएचओ बलराम यादव ने बताया कि बिना अनुमति आयोजित की जा रही ईसाई धर्म की प्रार्थना सभा को बंद कराया है। साथ ही ईसाई धर्म का प्रचार करने वाले दो व्यक्तियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। रविवार दोपहर को बयाना के भीम नगर के एक मकान के अंदर बड़ी संख्या में महिला-पुरुषों को इकट्ठा कर ईसाई धर्म की प्रार्थना सभा आयोजित की जा रही थी। यहां लोगों को बीमारियां दूर करने और ईसाई धर्म अपनाने के फायदे बताए जा रहे थे। साथ ही कुछ महिला-पुरुषों को ईसाई धर्म अपनाने पर पैसों का प्रलोभन भी दिया गया था। जब इस बात की भनक स्थानीय हिंदू संगठन के लोगों को लगी तो उन्होंने मौके पर पहुंचकर इसका विरोध किया।

महिला अनुयायियों ने किया विरोध

पुलिस को करीब 250 महिला-पुरुष घर के हाल में बैठकर प्रार्थना करते मिले। पुलिस ने बिना अनुमति चल रहे केंद्र को बंद कराने की कोशिश की तो महिला अनुयायियों ने विरोध कर दिया। इस दौरान आसपास के काफी लोगों की भीड़ में मौके पर जमा हो गई। करीब 1 घंटे तक चले विरोध के बाद पुलिस केंद्र संचालक कैलाश कोली को पूछताछ के लिए थाने ले आई। पुलिस जब केंद्र संचालक को थाने लाने लगी तो महिलाओं ने केंद्र संचालक को ले जाने का विरोध किया और पुलिस की जीप को घेर लिया।

कलेक्टर-SP ने लगाई झाड़ू दिया स्वच्छता का संदेश

धौलपुर। जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी और पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा ने खुद अपने हाथों में झाड़ू थामकर अब्दाल शाह बाबा पहाड़ की मजार पर सफाई अभियान चलाया। जिला कलेक्टर श्री निधि बीटी ने बताया कि जिले को स्वच्छ और साफ रखने के लिए जिला प्रशासन ने सफाई अभियान की शुरुआत की है। सफाई अभियान की मुहिम के लिए जिले के लोगों को भी जागरूक किया गया है। अब्दाल शाह बाबा की मजार पर दो घंटे तक प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने अभियान चलाकर सफाई की।

छात्रों ने शिक्षक के विदाई समारोह को बनाया यादगार

गुरुजी को रिटायरमेंट पर गिफ्ट में दी बाइक...दूल्हे की तरह निकाली बिंदौरी

बेधड़क | राजसमंद

शिक्षक दिवस आने में भले ही अभी कुछ दिन बाकी हैं, लेकिन राजसमंद के एक शिक्षक की सेवानिवृत्ति पर उनकी सेवाओं और बच्चों से लगाव के चलते भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

अलवर जिले के सत्यनारायण शर्मा ने पिछले आठ सालों तक राजसमंद के दोवड़ा स्कूल में अपनी सेवाएं दी थी। उनके पढ़ाए हुए छात्र आज सीआई, एसएचओ और पटवारी हैं। गुरुजी की सराहनीय सेवाओं के चलते उनका हर छात्र से लगाव था, इसलिए उनके विदाई समारोह को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई।

बड़ी संख्या में ग्रामीण रहे मौजूद

गुरुजी को ग्रामीणों के जरिए गुरु दक्षिणा के रूप में हीरो बाइक भी भेंट की गई। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि दोवड़ा स्कूल के बाद अध्यापक सत्यनारायण शर्मा ने 9 साल तक भाकरोदा स्कूल तथा 14 साल तक आगल गांव के स्कूल में अपनी सेवाएं दी हैं। वे बहुत ही मिलनसार हैं तथा गांव में सभी के दिलों में बसते हैं। ऐसे में दोवड़ा गांव के ग्रामीणों और विद्यार्थियों ने उनका आभार प्रकट करने के लिए बड़ी धूमधाम से स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। विद्यार्थियों ने बताया कि ऐसे बहुत कम अध्यापक होते हैं जो अपने कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन करने के साथ-साथ अपने विद्यार्थियों व ग्रामीणों के दिलों में भी ऐसी जगह बनाते हैं।

ग्रामीणों ने गर्मजोशी से किया स्वागत

विदाई समारोह के अवसर पर उनके शिष्यों और दोवड़ा के ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और दोवड़ा गांव लाए। वहां उन्हें फूल माला पहनाई गई और घोड़े पर बैठाकर दूल्हे की तरह गांव में बिंदोली निकाली गई। छोटे से लेकर बड़े तक सभी ने उनका भव्य स्वागत किया और हाथ पकड़कर उनका आभार जताया। गुरुजी पर प्यार बरसाने का सिलसिला यहीं नहीं रुका

31 साल से दोवड़ा गांव के किराए के मकान में रहे

सत्यनारायण शर्मा पुत्र मूलचंद शर्मा, निवासी तालाब, तहसील राजगढ़ जिला अलवर की फर्स्ट पोस्टिंग 1993 में दोवड़ा गांव के सरकारी स्कूल में बतौर थर्ड ग्रेड टीचर के रूप में हुई। इसके बाद मीरा शर्मा से इनकी शादी हुई।

31 साल से दोवड़ा गांव के किराए के मकान में रहे। यहीं से ट्रांसफर होने के बाद अन्य स्कूलों के लिए भी जाते थे। अध्यापक सत्यनारायण शर्मा फर्स्ट पोस्टिंग के बाद दोवड़ा गांव में नारायण लाल गुर्जर के मकान में कमरा किराए लिया, जिसमें 31 साल रहे। इस दौरान पूरे गांव को परिवार की तरह माना। यही वजह है कि गांव के स्कूल में 8 साल के अध्यापन कार्य व 31 साल के निवास के बाद यहां के लोगों के दिलों में बस गए।

आज से लिए जाएंगे आवेदन, 1 अक्टूबर है फॉर्म भरने की अंतिम तिथि

इंडो तिब्बती बॉर्डर पुलिस में कांस्टेबल के 819 पदों पर भर्ती

बेधड़क | जयपुर

इंडो तिब्बती बॉर्डर पुलिस (आईटीबीपी) में कांस्टेबल (किचन सर्विस) के कुल 819 पदों रिक्त पदों को भरने के लिए भर्ती निकाली गई है। इस भर्ती में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी सितंबर से 1 अक्टूबर तक आवेदन कर सकेंगे। एप्लीकेशन फॉर्म भरने के साथ 100 रुपए शुल्क जमा करना होगा। एससी एसटी एवं एक्स सर्विसमैन निशुल्क आवेदन कर सकेंगे।

एप्लीकेशन फॉर्म लिंक आईटीबीपी की ऑफिशियल वेबसाइट recruitment.itbpolice.nic.in पर उपलब्ध रहेगा। कांस्टेबल(किचन सर्विस- मेल/फीमेल) पदों पर आवेदन के लिए अभ्यर्थी का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं उत्तीर्ण होने के साथ फूड प्रोडक्शन या किचन में NSQF लेवल 1 का कोर्स किया हो। इसके साथ ही अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इस भर्ती में शामिल होने के लिए केवल ऑनलाइन माध्यम से आधिकारिक वेबसाइट recruitment.itbpolice.nic.in पर आवेदन किया जा सकता है, अन्य किसी भी माध्यम में फॉर्म स्वीकार नहीं किये जाएंगे। फॉर्म भरने से पहले आपको मांगी गई डिटेल भरकर पंजीकरण करना होगा।

रजिस्ट्रेशन होने के बाद अभ्यर्थी अन्य डिटेल दर्ज करें और अंत में निर्धारित शुल्क जमा करके पूर्ण रूप से भरे हुए फॉर्म का एक प्रिंटआउट निकाल लें। एप्लीकेशन फीस अन्य सभी वर्गों के उम्मीदवारों के लिए 100 रुपए तय की गई है। एससी, एसटी एवं एक्स सर्विसमैन इस भर्ती में शामिल होने के लिए निशुल्क आवेदन कर सकते हैं।

GSSSB में 221 पदों के लिए आवेदन मांगे

गुजरात अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड ने प्रयोगशाला तकनीशियन और वैज्ञानिक सहायक, वैज्ञानिक सहायक और पुलिस फोटोग्राफर और खोजकर्ता की भर्ती के लिए रिक्तियों की घोषणा की है। कुल 221 पदों पर भर्ती की जाएगी। बता दें कि जीएसएसएसबी ने सर्चर, पुलिस फोटोग्राफर आदि पदों की भर्ती के लिए आधिकारिक सूचना जारी कर दी है। ऑनलाइन आवेदन लिंक 1 सितंबर से सक्रिय हो गया। इनमें प्रयोगशाला तकनीशियन के 73, प्रयोगशाला सहायक के 39, वैज्ञानिक सहायक के 47, सहायक परीक्षक के 16, वरिष्ठ विशेषज्ञ के 5, जूनियर विशेषज्ञ के 2, खोजकर्ता के 34 और पुलिस फोटोग्राफर के 5 पद शामिल हैं।

HLL ने 1121 रिक्त पदों पर वेकैंसी निकाली

हिंदुस्तान लेटेक्स लिमिटेड (HLL) लाइफ केयर लिमिटेड ने असिस्टेंट डायलिसिस टेक्नीशियन, जूनियर डायलिसिस टेक्नीशियन समेत 1121 रिक्त पदों पर भर्ती निकाली है। इनमें 218 पद सहायक डायलिसिस तकनीशियन, 264 पद जूनियर डायलिसिस तकनीशियन, 282 पद डायलिसिस तकनीशियन और 357 पद वरिष्ठ डायलिसिस तकनीशियन के लिए आरक्षित हैं। भर्ती के लिए इच्छुक और योग्य उम्मीदवारों को आधिकारिक ईमेल hrhincare@lifecarehll.com के जरिए आवेदन करना होगा। ऑनलाइन आवेदन करने के बाद फिर ऑफलाइन मोड से फॉर्म भरकर निर्धारित पते पर भेजना होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 7 सितंबर 2024 है। योग्यता की बात करें तो आवेदक का संबंधित क्षेत्र में डिप्लोमा/ बीएससी/ एमएससी आदि किया हुआ होना चाहिए। उम्मीदवारों की अधिकतम आयु 37 वर्ष निर्धारित की गई है।

Yuva स्टोरीज

छुट्टन लाल फिर बने प्रदेश माली महासभा के अध्यक्ष

बेधड़क | जयपुर

माली महासभा एवं आमसभा समारोह में सर्व सम्मति से छुट्टन लाल सैनी को फिर से प्रदेश माली महासभा का अध्यक्ष चुना गया। राज आंगन रिसॉर्ट मानसरोवर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत, विशिष्ट अतिथि पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी रहे। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी के प्रस्ताव पर छुट्टन लाल सैनी (फूलवाले) को सर्वसम्मति से दोबारा राजस्थान प्रदेश माली-सैनी महासभा (रजि.) का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इससे पहले समाज के हित में छुट्टन लाल माली ने अपने इस्तीफे की पेशकश की, हालांकि समाज के ओर से उनके कार्यकाल को 1 साल के लिए फिर बढ़ाया गया। कार्यक्रम के दौरान रोजगार महाभियान पोस्टर की लॉन्चिंग की गई। इससे पहले समाज के भामाशाहों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में भूपेंद्र सैनी, पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी, चुरू नगरपालिका पायल सैनी, कार्यकारी अध्यक्ष सीएल सैनी, महामंत्री मनोज अमजमेरा, कोषाध्यक्ष सागर मावर, महामंत्री बाबूलाल सैनी, प्रवक्ता विनीत सांखला, महामंत्री प्रहलाद सैनी, उपाध्यक्ष भागचंद सैनी, जयपुर जिला अध्यक्ष रोशन सैनी, विष्णु सैनी, बिरदीचंद सिंगोदिया, डॉ. जीएल वर्मा, एडवोकेट इंद्रराज सैनी, आशाराम सैनी, कैलाश राज सैनी, सीता भाटी, जुगल किशोर सैनी, किशोर कुमार टांक, ओम प्रकाश सांखला पुष्कर, एडवोकेट पुष्पेंद्र कुमार सैनी, छात्र नेता किरोड़ी लाल सैनी सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे।

इंडियन बैंक में LBO भर्ती फॉर्म की लास्ट डेट आज

बेधड़क | जयपुर

ग्रेजुएशन कर चुके ऐसे अभ्यर्थी जो बैंक में सरकारी नौकरी पाने का सपना देख रहे हैं उनके लिए सुनहरा मौका है। इंडियन बैंक की ओर से लोकल बैंक ऑफिसर के 300 रिक्त पदों पर भर्ती हो रही है। इस भर्ती में शामिल होने के लिए लास्ट डेट 2 सितंबर 2024 निर्धारित है। अभ्यर्थी इंडियन बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट indianbank.in पर जाकर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। फॉर्म केवल ऑनलाइन ही भरा जा सकता ह। इस भर्ती में आवेदन के लिए अभ्यर्थी का किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान से किसी भी विषय से स्नातक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इसके साथ ही 1 जुलाई 2024 को ध्यान में रखते हुए अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 20 वर्ष से कम और 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। आरक्षित श्रेणी से आने वाले उम्मीदवारों को ऊपरी आयु में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

स्टाफ नर्स, यूनानी, आयुर्वेद भर्ती परीक्षा एडमिट कार्ड जारी

बेधड़क | जयपुर

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की ओर से स्टाफ नर्स यूनानी और स्टाफ नर्स आयुर्वेद भर्ती 2023 के लिए उम्मीदवारों के एडमिट कार्ड जारी कर दिए गए हैं। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर जाकर प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। प्रवेश पत्र डाउनलोड करने के लिए आवेदनकर्ता को OTR नंबर एवं डेट ऑफ बर्थ दर्ज करना होगा। इन दोनों ही भर्तियों के लिए परीक्षा का आयोजन 8 सितंबर 2024 को लखनऊ जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा। परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। पहले सत्र की परीक्षा का आयोजन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं दूसरे सत्र की परीक्षा अपरान्ह 3:30 से 5:30 तक संपन्न करवाई जाएगी।

संस्कृत भारती जयपुर प्रांत के संस्कृत-सम्मेलन में संस्कृत के प्रसार के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए

संस्कृत केवल परंपराओं की नहीं हमारी प्रगति की भाषा

- दो दिवसीय सम्मेलन संपन्न, 11 हजार रुपए के तीन पुरस्कारों की घोषणा

बेधड़क | जयपुर

'संस्कृत आदिकाल से हमारी बौद्धिक और सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है। साहित्य, दर्शन तथा विज्ञान का अनमोल भंडार है। यह केवल परंपराओं की भाषा नहीं है, अपितु हमारी प्रगति और पहचान की भाषा भी है।' यह बात संस्कृत भारती जयपुर प्रांत के दो दिवसीय संस्कृत-सम्मेलन के समापन समारोह में वक्ताओं ने कही। यह सम्मेलन 31 अगस्त से 1 सितम्बर तक चला, जिसमें जयपुर प्रांत के 18 जिलों से सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए नीतियों और योजनाओं का निर्माण करना था।

उद्घाटन समारोह में राजस्थान संगीतसंस्थान के प्राचार्य दिलीप कुमार गोयल मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि महामण्डलेश्वर आचार्य नर्मदाशंकर रहे। सम्मेलन में सिविल लाइंस विधायक डॉ. गोपाल शर्मा, परिष्कार महाविद्यालय के निदेशक डॉ. राघव प्रकाश शर्मा, अखिल भारतीय पत्राचार संस्कृत प्रमुख हुलास चन्द और संस्कृत भारती जयपुर प्रांत के अध्यक्ष हरिशंकर भारद्वाज भी उपस्थित रहे।

हर साल 25 लाख रुपए देने की घोषणा

मुख्य अतिथि डॉ. गोपाल शर्मा ने संस्कृत भाषा के विकास और प्रसार के लिए हर वर्ष 25 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता विधायक कोष से प्रदान करने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने संस्कृत विद्वानों के लिए दादाभाई सम्मान, संतों महंतों के लिए डॉ. राघवाचार्य वेदांती सम्मान और संस्कृत सेवा में रत संस्कृत अनुरागी एवं छात्रों विद्यार्थियों के लिए पंडित रामेश्वर राज गुरु सम्मान के नाम से 11-11 हजार रुपए के तीन पुरस्कारों की भी घोषणा की। विशिष्ट अतिथि डॉ. राघव प्रकाश शर्मा ने कहा कि संस्कृत भाषा केवल एक भाषा नहीं है, बल्कि इसमें निहित ज्ञान और वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर यह भारत के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने संस्कृत को समाज के लिए और अधिक उपयोगी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

राघवाचार्य को दी श्रद्धांजलि

इस अवसर पर संत डॉ. राघवाचार्य वेदांती को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। कार्यक्रम में कृष्ण कुमार जोशी कक्षा 4 एमपीएसस स्कूल प्रताप नगर, श्रेष्ठा जोशी एमपीएस स्कूल प्रताप नगर जयपुर ने योग का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं ने संस्कृत भाषा को सरल और समाजोपयोगी बनाने के लिए संकल्प लिया, जिससे यह भाषा अधिकाधिक लोगों तक पहुंच सके।

संस्कृत विज्ञान और वास्तु प्रदर्शनी रही आकर्षण

कार्यक्रम के अध्यक्ष हरिशंकर भारद्वाज और संयोजक डॉ. कमल किशोर चोटिया ने सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में संस्कृत विज्ञान प्रदर्शनी और वास्तु प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया, जो प्रतिभागियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना। इस अवसर पर राजस्थान क्षेत्र के संयोजक तगसिंह राजपुरोहित, राजस्थान क्षेत्र के प्रशिक्षण प्रमुख राजेंद्र शर्मा, जयपुर प्रांत के प्रांत मंत्री कृष्ण कुमार, प्रांत सह मंत्री चंद्रशेखर शर्मा, जयपुर प्रांत के संपर्क प्रमुख रघुवीर प्रसाद शर्मा विभाग संयोजक डॉ कानाराम जाट सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जयपुर प्रांत के प्रशिक्षण प्रमुख घनश्याम हरदेनिया ने किया।

गुणस्थली परिसर में जैन बैंकर फोरम ने लगाए 101 पौधे

बेधड़क | जयपुर

उप मुख्य मंत्री प्रेमचंद बैरवा के जन्मदिन पर जैन मुनि गुणसागर मुनिराज की साधना स्थली एवं समाधि स्थली श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर गुणस्थली परिसर में जैन बैंकर्स फोरम ने पचपन पौधे बड़ी साइज के एवं छोटी साइज के मिलाकर कुल 101 पौधे लगाए। इस मौके पर प्रेमचंद जी बैरवा भी मौजूद रहे और उन्होंने भी पौधरोपण किया।

जैन बैंकर्स फोरम की ओर से भागचंद जैन मित्रपुरा, पदम बिलाला, निहाल जैन, सुकेश काला, निर्मल पाटौदी, जितेंद्र जैन, सुरेश जैन, मंजु-सुरेश पाटनी, राजेंद्र ठोलिया; दिंगबर जैन महासमिति के सुनील काला चंदलाई एवं धर्मगुण अमृत ट्रस्ट की ओर से अशोक जैन बोलीं वाले, जय कुमार जैन, महेंद्र जैन, विनोद जैन, नवीन जैन, कमल जैन ने अशोक, गुलमोहर, नीम, महुआ, नीबू, जामुन, हार श्रंगार, मीठा नीम आदि प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए। पर्यावरण के असंतुलन में जल, वायु, ध्वनि, मृदा, प्रकाश प्रदूषण को ग्लोबल वार्मिंग का कारण माना है, बचाव हेतु वृक्षारोपण ही सबसे सरल एवं प्रभावी उपाय है। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए जैन बैंकर्स फोरम पौधारोपण का कार्यक्रम जारी रखे हुए है। कार्यक्रम का संयोजन निहाल चंद जैन ने किया।

इग्नू में प्रवेश पंजीकरण की तिथि 10 तक बढ़ाई

जयपुर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने ऑनलाइन और ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) मोड के माध्यम से पेश किए जाने वाले कार्यक्रमों के तहत नए प्रवेश के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 1 सितंबर थी। इसको अब बढ़ाकर 10 सितंबर तक बढ़ा दी है। सर्टिफिकेट और सेमेस्टर-आधारित कार्यक्रमों के लिए इग्नू जुलाई 2024 के प्रवेश की समय सीमा नहीं बढ़ाई गई है। पंजीकरण के लिए इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट ignouadmission.samarth.edu.in पर जाकर 'नए पंजीकरण के लिए यहां क्लिक करें' लिंक पर क्लिक करना होगा। इसके बाद ऐसा उपयोगकर्ता नाम चुनें जो 8 से 16 अक्षरों के बीच का हो। अपना पूरा नाम बताएं जैसा कि आपके शैक्षिक दस्तावेजों में लिखा है और अपना ईमेल पता भी बताएं। इसके बाद 8 से 16 अक्षरों वाला पासवर्ड बनाएं। अपना 10 अंकों का मोबाइल नंबर और स्क्रीन पर प्रदर्शित कैप्चा कोड दर्ज करें। जिन पाठ्यक्रमों के लिए आप आवेदन कर रहे हैं उन्हें चुनें और शुल्क भुगतान की प्रक्रिया शुरू करें। आवेदन पत्र में दर्ज सभी जानकारी सत्यापित करें।

उपलब्धि | डॉ. रामेश्वर दयाल को कोटा में किया जाएगा सम्मानित

संस्कृत युवा प्रतिभा पुरस्कार से होंगे मोटिवेट

बेधड़क | जयपुर

त्रिवेणी नगर स्थित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर के ज्योतिषशास्त्र विद्याशाखा में कार्यरत सहायक आचार्य ज्योतिर्विद एवं वास्तुविद डॉ. रामेश्वर दयाल शर्मा पुत्र राधेश्याम पंडित को नगर विन्यास न्यास सभागार (यूआईटी ऑडिटोरियम) कोटा में निदेशालय संस्कृत शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में सम्मानित किया जाएगा। शिक्षामंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा के मुख्यातिथित्व, पद्म श्री चमूकृष्ण शास्त्री, अध्यक्ष, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार प्रदान करेंगे। डॉ. शर्मा को गत वर्ष भी राजस्थान संस्कृत अकादमी द्वारा पंडित जगन्नाथ सम्राट ज्योतिष सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। इनके 5 ग्रन्थ, 25 पाठ मुक्त स्वाध्याय पीठ केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली तथा 50 शोधालेख देश की प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। साथ ही लगभग 100 राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं में प्रतिभागिता और व्याख्यान दे चुके हैं। ये विगत 15 वर्षों सेअधिक संस्कृत के प्रचार प्रसार में अपनी सक्रिय भूमिका निर्वहन कर रहे हैं।

डॉ. घनश्याम हरनेदिया को भी किया जाएगा सम्मानित

अजमेर रोड रजनीविहार निवासी डॉ. घनश्याम हरनेदिया को कोटा में 2 सितम्बर को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय संस्कृत दिवस विद्वत सम्मान समारोह में 'संस्कृत युवा प्रतिभा पुरस्कार' से सम्मानित किया जाएगा। डॉ. घनश्याम हरनेदिया विगत 20 वर्षों से विविध संस्थाओं में संस्कृत का शिक्षण कार्य करने के साथ ही संस्कृत को जनभाषा बनाने के आंदोलन से जुड़े हुए हैं। जो निरंतर समाज में संस्कृत संभाषण के शिविरों व कार्यक्रमों का आयोजन कर संस्कृत से समाज के लोगों को जोड़ने का काम कर रहे हैं। कोटा में आयोजित समारोह में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर इन्हें शाल श्रीफल प्रशस्ति पत्र और 21 हजार रुपए देकर सम्मानित करेंगे।

BPSC मुख्य परीक्षा का रिजल्ट घोषित

जयपुर। बिहार लोक सेवा आयोग ने 69वीं संयुक्त मुख्य (लिखित) प्रतियोगी परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया है। इसमें कुल 1295 उम्मीदवारों को अगले दौर के लिए चुना गया है। बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा संयुक्त मुख्य परीक्षा का आयोजन 3 से 5 जनवरी 20 और 21 जनवरी को पटना में स्थित परीक्षा केंद्रों पर किया गया था। इसके तहत आयोग ने बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, वित्तीय प्रशासनिक पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक और संयुक्त मुख्य परीक्षा का परीक्षाफल घोषित कर दिया है। आयोग ने कहा है कि मुख्य परीक्षा में सफल उम्मीदवारों के दस्तावेज सत्यापन, साक्षात्कार के आयोजन के संबंध में सूचना बाद में अलग से प्रकाशित की जाएगी।

भारतीय संस्कृति का शुभ व पवित्र फल श्रीफल

अशोक 'प्रवृद्ध'
स्वतंत्र टिप्पणीकार

भारतीय संस्कृति में श्रीफल अर्थात नारियल को शुभ और सबसे पवित्र फल माना गया है। सामाजिक, धार्मिक अनुष्ठानों, किसी भी प्रकार के पूजा और अन्य कर्मकांडों में श्रीफल का होना अनिवार्य माना जाता है। श्रीफल अर्थात नारियल के बिना पूजा अधूरी मानी जाती है। यही कारण है कि भारतीय परपंरा में शादी, त्योहार और किसी भी महत्वपूर्ण पूजा अथवा पूजन सामग्री में नारियल का अपना एक अलग व विशिष्ट महत्व है। नारियल को फोड़कर पूजा में चढ़ाने की परंपरा है। इसे पूजा के बाद प्रसाद के रूप में वितरित भी किया जाता है। किसी के स्वागत में भी भेंटस्वरूप श्रीफल दिया जाता है। ज्योतिष के कई उपायों में भी नारियल का उपयोग किया जाता है। समुद्र के किनारे अथवा नमकीन स्थानों पर उगने वाले नारियल को संस्कृत में नालिकेरः कहते हैं। मान्यता है कि श्रीफल अन्य फलों की भांति पृथ्वी पर नहीं आया, बल्कि इसे स्वर्ग से धरती पर लाया गया। मान्यतानुसार नारियल का प्रादुर्भाव धरती से नहीं बल्कि स्वर्ग से होने के कारण इसे स्वर्गलोक का फल भी कहा जाता है।

नारियल के बाहरी आवरण को घमण्ड का प्रतीक और आतंरिक आवरण को पवित्रता और शांति का प्रतीक माना जाता है। नारियल को फोड़ने का अर्थ है कि अपने अहंकार और स्वयं को भगवान के समक्ष समर्पित कर देना। मान्यता है कि ऐसा करने से अज्ञानता और अहंकार का नाश होता है। इससे आत्मा शुद्ध और पवित्र हो जाती है। श्रीफल की उत्पत्ति से संबंधित दो पौराणिक कथाएं हैं। एक पौराणिक कथा के अनुसार इस पृथ्वी पर भगवान विष्णु का अवतरण होने पर वह बैकुंठ लोक से तीन चीजें लेकर आए, लक्ष्मी, कामधेनु और श्रीफल अर्थात नारियल। श्रीफल को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रिय फल कहा जाता है। इसीलिए नारियल के वृक्ष को पुराणों में कल्पवृक्ष के नाम से भी संबोधित किया गया है। इस वृक्ष पर तीनों देव अर्थात ब्रह्मा, विष्णु और महेश वास करते हैं। नारियल में उनके वास का प्रमाण फल में तीन बीज रूपी संकेत प्रत्यक्षतः दिखाई देना ही तो है। श्रीफल को तोड़ने के बाद इन बीजों को खाया नहीं जाता है, बल्कि भगवान को अर्पित कर दिया जाता है अथवा हवन में आहुति दे दी जाती है। श्रीफल को बलि के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। मान्यता है कि समाज में प्रचलित पूजनोपश्चात पशुओं की बलि देने के प्रचलन को रोकने के लिए भगवान विष्णु श्रीफल लेकर इस धरती पर अवतरित हुए। इसका उद्देश्य जीवहत्या को रोकना था। इसके बाद से नारियल की बलि देने का प्रचलन शुरु हुआ।

> *"सत्यव्रत अपने जीवन के अंतिम समय में स्वर्ग लोक जाने की इच्छा रखते थे, लेकिन उन्हें स्वर्ग तक जाने का मार्ग ज्ञात नहीं था। इसलिए राजा सत्यव्रत ऋषि विश्वामित्र के आश्रम पहुंचे, लेकिन ऋषि के उस समय तपस्या पर जाने के कारण वे वहां पर उपस्थित नहीं थे।"*

नारियल की दूसरी पौराणिक कथा के अनुसार मर्यादा पुरुषोत्तम राम के वशंज राजा पृथु के पुत्र सत्यव्रत परमप्रतापी राजा थे। राजा सत्यव्रत ने अपने जीवनकाल के अंतिम चरण में राजपाठ त्याग दिया था और सम्पूर्ण राजपाठ अपने पुत्र राजा हरिश्चंद्र को सौंप दिया था। सत्यव्रत अपने जीवन के अंतिम समय में स्वर्ग लोक जाने की इच्छा रखते थे, लेकिन उन्हें स्वर्ग तक जाने का मार्ग ज्ञात नहीं था। इसलिए राजा सत्यव्रत ऋषि विश्वामित्र के आश्रम पहुंचे, लेकिन ऋषि के उस समय तपस्या पर जाने के कारण वे वहां पर उपस्थित नहीं थे। विश्वामित्र के तपस्या करने के लिए जाने की बात जानकर राजा सत्यव्रत विश्वामित्र की प्रतीक्षा करने के लिए उन्हीं के आश्रम में ठहरकर प्रतीक्षा करने लगे। राजा ने विश्वामित्र के आश्रम में रहते हुए वहां उनके पशुओं की सेवा की, भूखों को भोजन कराया और भी अनेक परोपकारी कार्य किए। जब तक विश्वामित्र तपस्या करके लौटे तब तक सत्यव्रत की उदारता और दयालु स्वभाव के सभी लोग कायल हो चुके थे। जब विश्वामित्र तपस्या पूर्ण करके वापस आए तो उन्हें ज्ञात हुआ कि उनकी अनुपस्थिति में राजा सत्यव्रत ने उनके पशुओं की सेवा की। यह सुनकर विश्वामित्र अत्यंत प्रसन्न हुए और उन्होंने सत्यव्रत से कहा कि आपने राजा होने के बावजूद आम लोगों की तरह सेवा की यह देखकर मैं काफी प्रसन्न हुआ। मैं आपको मनचाहा वरदान देना चाहता हूं। मुनि की बात सुनकर सत्यव्रत ने कहा कि मैं धरती पर अपने सभी कर्म और धर्म पूरे कर चुका हूं। मुझे अब स्वर्ग जाने की इच्छा है और आप मेरे स्वर्ग जाने का मार्ग प्रशस्त करें। मुनि ने राजा की इच्छा को पूर्ण किया और धरती से स्वर्ग तक जाने वाली सीढ़ी का रास्ता खोल दिया। सत्यव्रत ने सीढ़ियां देखी और मुनि से आशीर्वाद लेकर चढ़ना शुरु कर दिया। यह देखकर इंद्र और अन्य देवता काफी परेशान हो गए। उन्होंने विश्वामित्र से मदद मांगी लेकिन मुनि अपने वचन से बंधे हुए थे, जिसके कारण वे कुछ न कर सके। अंत में इंद्र ने ही स्वर्ग की सीढ़ियों पर चढ़ते राजा सत्यव्रत को धक्का दे दिया और वह सीधे धरती पर आ गिरे। राजा सत्यव्रत गिरते ही ऋषि विश्वामित्र के पास पहुंचे। राजा ने कहा कि देवराज इंद्र नहीं चाहते हैं कि कोई मनुष्य स्वर्ग में प्रवेश करे, इसलिए उन्होंने मुझे धक्का दे दिया। अब आप ही बताएं कि आपके वचन का पालन कैसे होगा? विश्वामित्र भलीभांति जानते थे कि जब तक इंद्र स्वर्गलोक में हैं तब तक वह सत्यव्रत को स्वर्ग नहीं आने देंगे। विश्वामित्र ने देवताओं को बहुत समझाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं माने। अंत में विश्वामित्र ने दूसरा स्वर्ग बनाने का निर्णय लिया। दूसरे स्वर्ग को बनाने के लिए मुनि ने एक मजबूत खंभे का निर्माण किया। इस नींव पर दूसरे स्वर्गलोक का निर्माण हुआ, जिसका नाम त्रिशंकु कहलाया। यह स्वर्ग से विपरीत दिशा में स्थित था और इसके राजा सत्यव्रत को बनाया गया। जिस खंभे पर दूसरे स्वर्गलोक की नींव रखी गई वह अनंतकाल के बाद नारियल का पेड़ बना। इस प्रकार जो लोग स्वर्ग तक नहीं पहुंच पाए। उन्हें स्वर्ग का फल नारियल के रूप में मिला।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

राजनीतिक दबाव के चलते प्रशासन नहीं कर पा रहा कोई कार्रवाई

हिरणों का कब्रिस्तान बन गया बाड़मेर

ज्ञानेन्द्र रावत
वरिष्ठ पत्रकार व पर्यावरणविद्

बीते कई बरसों से राजस्थान का बाड़मेर जिला हिरणों के लिए मौत का सबब बन गया है। जब देखो कहीं न कहीं हिरणों के या तो शव मिल जाते हैं या फिर मृत हिरणों के अंग अलग- अलग जगहों पर पड़े दिखाई देते हैं। इस अंचल में हिरणों का शिकार कर उनके मांस का कारोबार बरसों से जारी है। विडम्बना यह है कि लम्बे समय से हिरणों की जारी हत्याओं और इस सबसे दुखी क्षेत्रीय लोगों के भारी रोष की न तो जिला प्रशासन को ही चिंता है और न ही राज्य सरकार को। ऐसा लगता है कि हिरणों की हत्याओं के लिए उनके हत्यारे शिकारियों और उनके मांस के कारोबार करने वालों को जिला प्रशासन और राज्य सरकार ने खुली छूट दे रखी है। यही वजह है कि हिरणों की हत्याओं के खिलाफ व्यापक जनरोष पर जिला प्रशासन मौन साधे बैठा है और इलाके के लोग इसके विरोध में धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर हैं।

> *"स्थानीय ग्रामीण और धरना देने वाले नेता पुलिस की इस कार्रवाई से कतई संतुष्ट नहीं हैं। उनके अनुसार प्रशासन इस मामले को दबाने की कोशिश में हैं। उनका मानना है कि यदि मुख्य आरोपी गिरफ्तार कर लिया जाता है तो इसमें संलिप्त बड़े-बड़े लोगों के चेहरे बेनकाब हो जाएंगे।"*

वैसे तो मरुभूमि के इस अंचल में हिरणों का शिकार कोई नयी बात नहीं है लेकिन बीती 12 अगस्त को 20 हिरणों की हत्या किये जाने और उनमें से कुछ को तो शिकारी अपने साथ ले जाने में कामयाब रहे और 12 के शव मिले जिनमें से 8 हिरण तो हाथ पैर बंधे मृत अवस्था में गांववालों को मिले। दरअसल लीलसर गांव के एक खेत में अलग- अलग मृत अवस्था में हिरणों के मिलने और कुछ के शवों को कुत्तों द्वारा नोंच-नोंच कर ले जाने की सूचना से समूचे क्षेत्र में हड़कंप मच गया और इसके विरोध में महंत मोटनाथ महाराज, लीलसर व सोडिया गांव सहित आसपास के क्षेत्रवासी लामबंद हो जिला प्रशासन से तत्काल कार्यवाही की मांग करने लगे। इसमें क्षेत्रीय लोगों के साथ-साथ बाड़मेर जिला जंभेश्वर पर्यावरण एवं वन्यजीव समिति के अध्यक्ष श्री भंवर लाल भादू , राज्य अध्यक्ष पीपराम धायल और अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र बूड़िया, चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल, लीलसर सरपंच हीरालाल मुढ़ण, भाजपा ब्लाक अध्यक्ष जयकिशन भादू, पंचायत समिति सदस्य बीरेन्द्र बोला, अर्जुन राम खिलेरी व सहदेव चौधरी सहित सैकड़ों की तादाद में स्थानीय लोगों के साथ आने से ग्रामीणों को और बल मिला और उन्होंने इसके विरोध में धरना देना शुरू कर दिया। गौरतलब है कि लीलसर गांव के पास दो धोरों की पाल है। इसके आसपास दूर-दूर तक किसी का घर नहीं है। इसी का फायदा उठाकर पाल के इलाके में शिकारी रात में हिरणों का शिकार करते हैं और फिर इन हिरणों को एक जगह इकट्ठा कर उनका मांस निकालकर होटलों में सप्लाई करते हैं।

जंभेश्वर पर्यावरण एवं वन्य जीव समिति के जिलाध्यक्ष और क्षेत्रीय लोगों का एकमुश्त मानना है कि इस सबके पीछे बड़े गिरोह का हाथ है। बीते कुछेक सालों से इस इलाके में हिरणों की तादाद लगातार घटती जा रही है। इसके पीछे हिरणों का शिकार अहम कारण है। हिरणों के शिकार करने वाले गिरोह को ऊंचे लोगों का संरक्षण हासिल है। यही वह अहम कारण रहा जिसके चलते लम्बे समय से इलाके में हिरणों का शिकार होता रहा है और इन पर आजतक बार-बार आवाज उठाने के बावजूद कोई अंकुश नहीं लग सका है। यह सब अधिकारियों, शिकारियों, हिरण के मांस का कारोबार करने वालों, होटल मालिकों और नेताओं की मिलीभगत का नतीजा है जिसका खामियाजा बेचारे निरीह हिरणों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ रहा है। यही नहीं विगत दिनों धनाऊ पंचायत के दीनगढ़ गांव के पास दुर्लभ सफेद चिंकारा का शव मिला। यह जान लेना जरूरी है कि दुनिया में अति दुर्लभ प्रजाति का सफेद हिरण जो विलुप्त जीवों की सूची में शामिल है, इस जिले के चौहटन, सेवा सहित सीमांत इलाका में पाया जाता है। इसे कृष्ण मृग भी कहते हैं।

धरना दे रहे नेताओं का कहना है कि जिले के आला अधिकारियों सहित डी एफ ओ सविता दह्या, एएसपी जसाराम बोस, डीएसपी चौहटन कृतिका यादव, डीएसपी सुखाराम बिश्नोई आदि ने आरोपियों की पांच दिन में शीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन देकर धरना तो खत्म करवा दिया लेकिन आज इतने दिन बाद तक इसका मुख्य आरोपी गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। लेकिन कुछ संदिग्धों को गिरफ्तार कर पुलिस ने अपने कर्त्तव्य की इतिश्री कर ली है। स्थानीय ग्रामीण और धरना देने वाले नेता पुलिस की इस कार्रवाई से कतई संतुष्ट नहीं हैं। उनके अनुसार प्रशासन इस मामले को दबाने की कोशिश में हैं। उनका मानना है कि यदि मुख्य आरोपी गिरफ्तार कर लिया जाता है तो इसमें संलिप्त बड़े-बड़े लोगों के चेहरे बेनकाब हो जाएंगे। वे गिरोह के सरगना कृष्ण देशांतरी और सगताराम भील सहित हिरण का मांस बेचने वालों, खरीदने वाले होटल मालिकों की भी गिरफ्तारी पर अड़े हैं।

इस बाबत उन्होंने भंवरलाल भादू के नेतृत्व में जिला कलेक्टर निशांत जैन को दिए ज्ञापन में कहा है कि चिंकारा हिरण वन्यजीवों की लुप्तप्राय श्रेणी का जीव है। इसका शिकार करना, उसके अंग व मांस को बेचना, खरीदना व खाना अक्षम्य अपराध है। यह प्रदेश की संस्कृति और पर्यावरण की धरोहर है। ज्ञापन में कहा है कि अक्सर इस इलाके में केकातरला, हाथितला, थुम्बली,निबलू, पनपेडा, पनुरिया और होड में हिरणों का शिकार करने वाले शिकारी पकड़े जाते हैं लेकिन कुछ दिन बाद जमानत पर छूटकर जगह बदलकर फिर बारदात शुरू कर देते हैं। जब तक इस गिरोह पर अंकुश नहीं लगाया जाएगा, हिरण बेमौत मारे जाते रहेंगे। यदि ऐसा हुआ तो हिरण भी किता बों की वस्तु बनकर रह जाएंगे। दरअसल लीलसर हिरणों के शिकार प्रकरण में जो संदिग्ध पुलिस ने गिरफ्तार किये उनसे इस बात का खुलासा हुआ ही नहीं कि आखिर इतने सारे हिरणों की डील कहां से हो रही थी। घटना स्थल पर धरना पर लगभग इलाके के पांच हजार लोग से ज्यादा ने भाग लिया। धरने पर बैठे लोग मांग कर रहे थे कि जब तक मुख्य आरोपी शिकारी कृष्ण देशांतरी गिरफ्तार नहीं होगा और मांस की कहां-कहां सप्लाई होती है का खुलासा नहीं होगा तब तक धरना जारी रहेगा, लेकिन एएसपी व डीएफओ व प्रशासन के आश्वासन पर धरना स्थगित कर दिया गया। हकीकत में प्रशासन के कहने पर वन्यजीव प्रेमी झांसे में आ गए जिसका अहसास उन्हें तब हुआ जब उनको मालूम पड़ा कि असली आरोपी अब भी पुलिस की गिरफ्त से बहुत दूर है और पुलिस प्रशासन का आश्वासन महज धरना खत्म करने की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा था। तब सात दिन बाद क्षेत्रीय लोग कलेक्टर से मिले और उन्हें ज्ञापन दिया। लेकिन कलेक्टर के पांच दिन आरोपी की गिरफ्तारी के लिए मांगने के बाद भी स्थिति जस की तस है और ग्रामीण आज भी आरोपी की गिरफ्तारी की आस लगाए बैठे हैं। विडम्बना देखिए जिस जिले का राज्य सरकार में मंत्री हो और वहां इतनी बड़ी घटना हो जाए, उसके बावजूद मंत्री कृष्ण कुमार बिश्नोई की चुप्पी सवाल पैदा करती है कि आखिर ऐसा क्यों? यही नहीं धरने के बाद से अखिल भारतीय विश्नोई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बुडिया का लापता हो जाना संदेह को और मजबूत करता है कि कहीं न कहीं दाल में कुछ काला जरूर है। वन्यजीव समिति के अध्यक्ष भंवर लाल दादू की मानें तो घटना के बीस दिन बाद भी मुख्य आरोपी कृष्ण देशांतरी की गिरफ्तारी न होना यह संकेत है कि राजनीतिक दबाव के चलते प्रशासन इस मामले में कार्रवाई करने से कतरा रहा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

हे बुद्धिवीरों! सोशल मीडिया से बाहर निकलो रे

प्रीतम लखवाल
व्यंग्यकार

कहा जाता है कि ज्ञान कहीं से भी मिले, जैसा भी मिले उसे हड़प और अड़ब लेना चाहिए। पुरातन काल में तो गुरुकुल और मनीषियों के आश्रमों का प्रादुर्भाव शायद इसलिए हुआ था कि वहां ज्ञानार्जन कर अपनी बुद्धि को तेजस्वी बनाया जाए, लेकिन समय का चक्र कुछ इस तरह चला कि गुरुकुल ट्यूशन सेंटर और फिर कोचिंग सेंटर में तब्दील हो गए। गुरुकुल के आचार्य, मनीषी भी धीरे-धीरे टीचर का सफर करते-करते बाद में फैकल्टीज में कब बदल गए। इसके लिए गुरु विश्वामित्र, वशिष्ठ और सांदीपनि की कमेटी इंवेस्टिगेशन कर रही है, लेकिन मामला पकड़ में नईं आ रहा है। कथित 21 वीं सदी में आधुनिक चलित यंत्र के और विकसित वर्शन में सोशल मीडिया का अवतरण क्या हुआ, समूचा विश्व एक जगह एकाकार हो गया। जग एक बिंदु में समाने लगा और मानव पहले से अधिक बुद्धिमान होकर महामानव हो गया। इसी सोशल मीडिया ने महंगे साहित्यिक आयोजनों की वॉट लगा दी और अब साहित्यिक जगत में जूम आयोजन होने लगे और बुद्धिवीरों की पूरी जमात इसमें ऐसे इन्वॉल्व हो गई, जैसे अगर ये सोशल मीडिया न होता तो शायद एक साल में ढेर सारे सम्मान पत्र हासिल नहीं होते। सोशल मीडिया नामक सामाजिक अड्डा ज्ञान का ऐसा केंद्र बन गया है, जिसमें किसी भी इतिहास की टांग तोड़कर हाथ में दे सकते हैं। किसी भी नामी-गिरामी व्यक्ति की साख पर क्वेश्चन मार्क लगाकर उसकी इज्जत के ताबूत में आखिरी कील ठोंक सकते हैं। इतना ही नहीं अपनी ही बात को इस ब्रह्मांड की सबसे तार्किक बात का गोल्ड मैडल भी दिलवा सकते हैं। इस सोशल मीडिया के बुद्धिवीरों की जमात में कई आशु कवि, व्यंग्यकार, स्तंभकार और स्व घोषित साहित्य मर्मज्ञ के अवतार लेने से ज्ञान की अथाह गंगा ऐसे प्रवाहित हो रही है, जैसे बरसते मानसून में नगरीय निकाय की पोल खोलते विकास की झांकी नजर आती है। उधर, गुरुकुल में भी गुफाओं और कंदराओं में शिक्षार्जन का सिस्टम बना हुआ था तो वर्तमान में भी कोचिंग संस्थानों के बेसमेंट में शिक्षा पर सवाल बारिश ने क्यों खड़े कर दिए? इसके लिए भी बुद्धिवीरों की ताजी जमात ने अपना बुद्धि विलास प्रस्तुत किया हो या न किया हो, लेकिन शासन के सिस्टम ने इस पर संज्ञान लेकर आधुनिक गुरुकुल यानी कोचिंग सेंटर की वे कंदराएं सील करवा दीं और भोले विद्यार्जन करने वाले अब आत्महंता बने हुए हैं। सोशल मीडिया ने भले ही सारे जगत को ज्ञान का अकूत भंडार बख्शा हो, लेकिन वास्तव में अधूरा ज्ञान किसी पिज्जा से कम नहीं होता, जो स्वाद में तो बढ़िया लगता है और उदर में जाने के बाद अपच और अन्य शारीरिक क्रियाओं को जन्म देता है। बुद्धिवीरों की फौज से भरे इस सोशल मीडिया से जब बुद्धिवीर बाहर निकलेंगे तो इस पर हिंदी भी अपनी जान की अमान मांगेगी और नई सोशल मीडियाई हिंदी से मुक्ति मिल जाएगी। अभी ये मैं सोच ही रहा है कि सोशल मीडिया पर नया मैसेज फ्लैश हो गया कि इस मैसेज को इतना फैलाओ कि फलां की वॉट लग जाए। साथ ही परिवार में जितने लोग उनके नाम से उतनी कसमें भी बहती चली आ रही है और मैं इन मैसेजेज डिलीट कर रहा हूं।

तीर्थंकर नाम कर्म के आश्रव का कारण है सोलह कारण भावना

भाद्रपद कृष्णा प्रतिपदा से शुरू सोलह कारण पर्व

पदम जैन बिलाला
जनकपुरी, ज्योति नगर, जयपुर

सामान्यतः सोलह कारण या षोडश कारण पर्व (सोलह कारण का संस्कृत नाम) 16 भावनाए हैं जो की तीर्थंकर पद मिलने का कारण है। इसके व्रत श्रावक द्वारा तीर्थंकर पद पाने के लिए करे जाते हैं। इसके व्रत 32 होते हैं (हर भावना के 2 दिवस होते हैं) जो एक वर्ष में ३बार किये जाते हैं अर्थात् एक वर्ष में कुल 96 दिवस। इसके व्रत माघ, चैत्र एवं भादव के महीने में किए जाते हैं।

सोलह भावनाओं के नाम निम्न प्रकार से हैं

- दर्शन विशुद्धि भावना
- विनय संपन्नता भावना
- शील-व्रत अनतिचार भावना
- अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोग भावना
- अभीक्ष्ण संवेग भावना
- शक्तिस्तप भावना
- शक्तिस्त्याग भावना
- साधु समाधि भावना
- वैयावृत्यकरण भावना
- अरहन्त भक्ति भावना
- आचार्य भक्ति भावना
- बहुश्रुत भक्ति भावना
- प्रवचन - भक्ति भावना
- आवश्यक अपरिहाणि भावना
- मार्ग प्रभावना भावना
- प्रवचन वात्सल्य भावना।

भारत में प्रचलित कई प्रकार के धार्मिक त्यौहार में से एक सोलह कारण भी है.। यह भाद्रपद कृष्णा प्रतिपदा से प्रारंभ होकर आश्विन कृष्णा तक का उत्सव मनाया जाता है। आचार्य मतिसागर चारणमुनिराज ने जिज्ञासुओं को षोडशकारण व्रत का स्वरूप और विधि समझाते हुए बताया था की इन 16 भावनाओं को यदि केवली-श्रुतकेवली के पादमूल के निकट अन्तःकरण से चिन्तवन की जाये तथा तदनुसार प्रवर्तन किया जाये तो इनका फल तीर्थंकर नाम कर्म के आश्रव का कारण है। इस व्रत को उत्कृष्ट सोलह वर्ष, मध्यम 5 अथवा दो वर्ष और जघन्य 1 वर्ष करके यथाशक्ति उद्यापन करे अर्थात् सोलह-सोलह उपकरण श्री मंदिरजी में भेंट दे और शास्त्र व विद्यादान करें, शास्त्र भण्डार खोले, सरस्वती मंदिर बनावे, पवित्र जिनधर्म का उपदेश करे और करावे इत्यादि यदि द्रव्य खर्च करने की शक्ति न हो तो व्रत द्विगुणित करें।

इस प्रकार इस व्रत को धारण करने से जिस प्रकार श्रोता कालभैरवी नाम की ब्राह्मण कन्या ने सुर-नर भवों के सुखों को भोगकर अक्षय अविनाशी स्वाधीन मोक्षसुख को प्राप्त कर लिया था, उसी भाव से अन्य भव्यजीव भी इस व्रत को पालन करेंगे तो उनको भी अवश्य ही उत्तम फल की प्राप्ति होगी।

सोलह कारण भाय तीर्थंकर जे भए।
हरषे इन्द्र अपार मेरुपै ले गए।।

सोलह कारण विधान पूजा करने से पहले हमेशा आसन बिछाएं और आसन में बैठकर ही पूजा करें. इसके साथ ही बिना सिर ढके भी पूजा नहीं करनी चाहिए. स्त्री हो या पुरुष पूजा करते समय हमेशा सिर को टुपट्टे या फिर रूमाल से ढकना चाहिए। पूजन में कहा गया है की सोलह कारण भावना भा कर जो जीव तीर्थंकर बनते है उनकी इंद्र देवता सुमेरु पर्वत पर ले जा कर पूजा अर्चना कर अपने आप को धन्य मानते है ।

एही सोलह भावना, सहित धरे व्रत जोय।
देव-इन्द्र-नर-वंद्य, द्यानत शिव-पद होय।।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi

डिजिटल मीडिया से लेकर टेलीविजन के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान देने वाले वरिष्ठ पत्रकार और लेखक उमेश उपाध्याय जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। उनका जाना पत्रकारिता जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों के प्रति मैं अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ओम शांति!

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
@myogiadityanath

लखनऊ में आज आयोजित प्रथम हॉकी इंडिया जूनियर मेन इंटर-जोन चैंपियनशिप-2024 के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित हुआ। भारत ने हॉकी के माध्यम से दुनिया में अपनी खेल प्रतिभा का सदैव लोहा मनवाया है।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज: पूर्व मंत्री श्याम रजक ने बदला पाला, फिर सीएम नीतीश कुमार के साथ

त्यागी का जदयू प्रवक्ता पद से इस्तीफा, राजीव रंजन को सौंपा जिम्मा

एजेंसी | पटना

बिहार में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले एक बड़ी सियासी हलचल के बीच जनता दल (यू) के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया है। उनकी जगह राजीव रंजन प्रसाद को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं,श्याम रजक राजद से इस्तीफे के बाद वापस मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी में लौट आए हैं।

बिहार में में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में त्यागी के इस्तीफे और रजक के पाला-बदल को लेकर कई कयास

शुरू हो गए हैं। जदयू की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि केसी त्यागी ने निजी कारणों से पार्टी के प्रवक्ता पद से इस्तीफा दिया है। पार्टी के महासचिव आफाक अहमद खान की तरफ से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि पार्टी प्रमुख नीतीश कुमार ने राजीव रंजन प्रसाद को राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद पर नियुक्त किया है। बताया जा रहा है कि त्यागी पार्टी के राजनीतिक सलाहकार बने रहेंगे।

सूत्रों के अनुसार तेज तर्रार प्रवक्ता और कुशल राजनेता के तौर पर जाने जाने वाले केसी त्यागी के इस्तीफा ने सबको चौंका दिया है। हालांकि, कुछ दिनों पहले केसी त्यागी ने एक बार और चौंकाया था जब वो विपक्षी दलों के एक ग्रुप में नजर आए थे। दरअसल देश के विपक्षी दलों के एक ग्रुप ने फिलिस्तीन के एक नेता से मुलाकात थी।

पार्टी लाइन से हटकर बयानबाजी

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि केसी त्यागी ने कई मुद्दों पर पार्टी लाइन से हटकर बयानबाजी की थी, फिर चाहे केंद्र सरकार की विदेश नीति हो, यूपीएससी में लेटरल एंट्री, एससी-एसटी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला, उन्होंने अपने निजी विचारों को पार्टी के विचारों की तरह पेश किया, जिससे पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा।

त्यागी को हर मुद्दे पर बेबाक राय रखना भारी पड़ा!

ऐसा माना जा रहा है कि दिल्ली में रहकर हर मुद्दे पर अपनी बेबाक राय रखना केसी त्यागी को भारी पड़ गया। सूत्रों के मुताबिक, उनके बयानों से ऐसा लग रहा था कि केंद्र और बिहार में एक होकर राजग सरकार चला रही जदयू और भाजपा के विचार अलग-अलग हैं। इससे भाजपा नाखुश थी। भाजपा ने कई बार इशारों में अपने सहयोगी दलों से तालमेल बनाए रखने को कहा था। सूत्रों के मुताबिक, बीते दिनों इसी सिलसिले में पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और संजय झा ने त्यागी से मुलाकात की थी और राष्ट्रीय प्रवक्ता का पद छोड़ने के लिए कहा था।

पूर्व मंत्री श्याम रजक जदयू में शामिल

पटना। पूर्व मंत्री और फुलवारी शरीफ से 6 बार विधायक रहे श्याम रजक रविवार को एक बार फिर से जेडीयू में शामिल हो गए। पार्टी कार्यालय में रविवार को विशेष मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें श्याम रजक को पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने सदस्यता दिलाई। इस दौरान अन्य कई दिग्गज नेता मौजूद थे। श्याम रजक ने 22 अगस्त को राजद से इस्तीफा दिया था। रजक 2019 में जदयू से आरजेडी में गए थे। 2020 विधानसभा चुनाव में फुलवारी शरीफ से टिकट नहीं मिला था। माना जा रहा है इस वजह से वो नाराज चल रहे थे। अब 2025 विधानसभा चुनाव से पहले श्याम रजक फिर से जदयू में वापसी की है। ऐसे में माना जा रहा है कि वह 2025 में विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे है। श्याम रजक ने आरजेडी पर भ्रष्टाचार और परिवारवाद का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वहां घुटन महसूस हो रही थी।

असम के TMC अध्यक्ष रिपुन बोरा ने छोड़ी पार्टी

गुवाहाटी। असम तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष रिपुन बोरा ने रविवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने दावा किया कि पूर्वोत्तर राज्य के लोग इसे पश्चिम बंगाल की क्षेत्रीय पार्टी मानते हैं और इसे अपना मानने को तैयार नहीं हैं। रिपुन बोरा ने तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी को दो पन्नों का पत्र लिखकर इस्तीफा दिया। बोरा ने अपने त्यागपत्र में कहा कि असम टीएमसी में काफी संभावनाएं हैं, लेकिन कई बार-बार आने वाले मुद्दों ने हमारी प्रगति में बाधा डाली है, जिसमें टीएमसी को पश्चिम बंगाल की क्षेत्रीय पार्टी के रूप में माना जाना भी शामिल है। पूर्व राज्यसभा सदस्य बोरा ने कहा कि उन्होंने पार्टी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को असम में टीएमसी को स्वीकार्य बनाने के लिए कई सुझाव दिए थे, लेकिन उन पर कार्यान्वयन नहीं किया गया।

भाजपा आरक्षण विरोधी: तेजस्वी यादव

पटना। जातीय जनगणना और बिहार में बढ़े हुए आरक्षण को संविधान की नौवीं सूची शामिल करने की मांग को लेकर राजद ने पूरे प्रदेश में धरना दिया। इस मौके पर पटना में नेता प्रतिपक्ष औ पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने भाजपा को आरक्षण विरोधी बताते हुए जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब हम जातीय गणना की बात करते हैं तो राजग वाले कहते हैं, यह बांटने का काम करते हैं। लेकिन मैं पूछता हूं कि अपने नाम के आगे सरनेम लगाते हैं। कोई मिश्रा, यादव, सिंह, पाल कोई श्रीवास्तव लिखते हैं, कोई कुशवाहा लिखते हैं। ये क्या लालू और तेजस्वी या फिर राष्ट्रीय जनता दल ने बनाया।

महाराष्ट्र: छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा गिरने पर सियासत में उबाल

विपक्ष ने निकाला मार्च... शरद पवार व ठाकरे सरकार पर बरसे

एजेंसी | मुंबई

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के मालवण में राजकोट किले में स्थापित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के मामले में राज्य में सियासी उबाल जारी है। विपक्षी दलों के गठबंधन महा विकास अघाड़ी(एमवीए) की ओर से रविवार को राज्य की महायुति सरकार के खिलाफ जोड़े मारो(जूते मारो) मार्च आयेजित किया।

इसके तहत एमवीए नेताओं ने हुतात्मा चौक से 'गेटवे ऑफ इंडिया' तक प्रोटेस्ट मार्च निकाला। मार्च में शरद पवार, उद्धव ठाकरे और नाना पटोले के अलावा शिवाजी के वशंज और कोल्हापुर से सांसद शाहू महाराज भी मौजूद रहे। इससे पहले गेट वे ऑफ इंडिया के पास भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया और सुरक्षा कारणों से आम लोगों के यहां आने पर रोक लगा दी गई थी। मार्च के दौरान उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माफी को नाटक बताया, जबकि शरद पवार ने घटना को भ्रष्टाचार का एक उदाहरण बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने मांगी थी माफी

इससे पहले शुक्रवार को पालघर में अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि छत्रपति शिवाजी महाराज सिर्फ एक नाम या राजा नहीं हैं, बल्कि आराध्य हैं। आज मैं उनके चरणों में सिर झुकाता हूं और माफी मांगता हूं।

शिंदे का उद्धव पर औरंगजेब का अनुसरण करने का आरोप

इस बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे पर औरंगजेब और अफजल खान का अनुसरण करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। शिंदे ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपमुख्यमंत्रियों देवेन्द्र फड़णवीस और अजित पवार और उन्होंने खुद इस घटना को लेकर माफी मांग ली है। इसके बावजूद इसको लेकर विपक्ष का राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आप नाम तो छत्रपति शिवाजी महाराज का लेते हैं, लेकिन काम औरंगजेबी और अफजल खानी हैं। विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित कर्नाटक में छत्रपति शिवाजी महाराज की एक मूर्ति को दो जेसीबी से उखाड़ दिया गया, लेकिन उसपर किसी का बयान नहीं आया।

घटना भ्रष्टाचार का उदाहरण: शरद पवार

शरद पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री ने बयान दिया कि मूर्ति हवा के कारण गिर गई। पवार ने कहा कि गेटवे ऑफ इंडिया के सामने की शिवाजी मूर्ति कई सालों से है। यहां तक कि राज्य के कई हिस्सों में ऐसी मूर्तियां आज भी मजबूती से खड़ी हैं। राजकोट किले में मूर्ति ढहने की घटना भ्रष्टाचार का उदाहरण है। महाराज की प्रतिमा गिरने से देश के शिव प्रेमियों का अपमान हुआ है। महाराष्ट्र कांग्रेस चीफ नाना पटोले ने कहा कि शिवाजी महाराज के नाम पर वोट मांगना और सत्ता में आने के बाद उनका अपमान करना भाजपा का रवैया है। पटोले ने कहा कि भाजपा सरकार ने गबन और भ्रष्टाचार कर छत्रपति शिवराय का अपमान करने का पाप किया है।

पीएम मोदी की माफी में अहंकार की बू: उद्धव ठाकरे

गेटवे ऑफ इंडिया पर एक सभा को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि क्या आपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माफी में अहंकार देखा? इसमें अहंकार की बू आ रही थी। एक उपमुख्यमंत्री मुस्कुरा रहे थे। महाराष्ट्र के लोग महान योद्धा राजा के अपमान को कभी माफ नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किस बात के लिए माफी मांग रहे थे? आठ महीने पहले जिस मूर्ति का उन्होंने उद्घाटन किया था, उसके लिए? उसमें शामिल भ्रष्टाचार के लिए? एमवीए कार्यकर्ताओं को शिवाजी महाराज का अपमान करने वाली ताकतों को हराने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। मूर्ति का गिरना महाराष्ट्र की आत्मा का अपमान है।

शिवाजी के नाम पर राजनीति न करें: जरांगे

मराठा आरक्षण आंदोलन के कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल ने इस मामले में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार और विपक्ष को राजनीति करने से मना किया। जरांगे ने कहा जो भी राज्य और राष्ट्रीय प्रतीक को अपमानित करने में शामिल हैं, उन्हें सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। जरांगे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, इस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को राजनीति नहीं करनी चाहिए। सरकार को इस मामले में विस्तृत जांच करानी चाहिए। ठेकेदारों को बख्शा नहीं जाना चाहिए।

विस चुनाव: सीटों के बंटवारे पर बातचीत

महाराष्ट्र: सत्तारूढ़ दलों में 173 सीटों पर सहमति

■ शेष सीटों पर 10 दिन में तय होगा बंटवारा

एजेंसी | मुंबई

महाराष्ट्र में अगामी विधानसभा चुनावों को लेकर सत्तारूढ़ महायुति में 173 सीटों पर सहमति बन गई है। जिसमें भाजपा को सबसे बड़ा हिस्सा मिला है, उसके बाद शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा शामिल है। शेष 115 सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप जल्द दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार अगले 10 दिन में सीटों का बंटवारे पर बातचीत पूरी हो जाएगी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के बीच शनिवार को नागपुर में सीटों के बंटवारे पर चर्चा हुई। भाजपा सूत्रों के अनुसार, यह बैठक करीब तीन घंटे तक चली। बैठक पिछले दो-तीन दौर की शुरुआती चर्चाओं के बाद हुई। सीटों के बंटवारे पर अंतिम मुहर दो से तीन बैठकों के बाद लगेगी। राज्य में विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर नवंबर में होने की उम्मीद है।

गठबंधन की एकता पर जोर

बावनकुले ने गठबंधन में एकता बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया कि कल्याणकारी योजनाएं बिना किसी रुकावट के जारी रहें। उन्होंने दोहराया कि ध्यान बड़ी संख्या में सीटों पर चुनाव लड़ने के बजाय जीतने की क्षमता पर होना चाहिए।

सीटों की संख्या नहीं, जीत की संभावना अहम

इस बीच, महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने रविवार को नागपुर में संवाददाताओं से कहा कि सीटों के बंटवारे में सीटों की संख्या नहीं, बल्कि जीतने की संभावना ही मापदंड होगी। हमने तय किया है कि जीतने की क्षमता के आधार पर सीटें आवंटित की जाएंगी। हम अपने सहयोगियों के लिए कुछ सीटें छोड़ेंगे। कौन कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा, यह महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि हर हाल में राज्य में डबल इंजन की सरकार हो, ताकि लोगों के कल्याण के लिए चल रही योजनाएं जारी रहें। बावनकुले ने यह भी कहा कि सभी भाजपा पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे ऐसी टिप्पणियां न करें, जिससे गठबंधन में मतभेद पैदा हों। इस आदेश का उल्लंघन करने वालों पर पार्टी की ओर से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के अनुसार बावनकुले, सीएम शिंदे ,एनसीपी के वरिष्ठ नेता सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल की एक बैठक में शेष 115 सीटों के बंटवारे को फाइनल किए जाने की संभावना है।

गुलाम नबी नहीं लड़ेंगे चुनाव

श्रीनगर। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद स्वास्थ्य कारणों से आगामी विधानसभा चुनाव में नहीं उतरेंगे, लेकिन पार्टी जम्मू-कश्मीर में चुनिंदा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सलमान निजामी ने यहां संवाददाता सम्मेलन के दौरान घोषणा की कि आज़ाद को पहले डोडा क्षेत्र से चुनाव लड़ना था, लेकिन खराब स्वास्थ्य के कारण उन्होंने अब पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है। निजामी ने इस बात पर जोर दिया कि डीपीएपी चुनावी दौड़ से पीछे नहीं हटा है, जैसा कि अफवाह थी, और इसके बजाय सीमित सीटों पर चुनाव लड़ेगा जहां उनके उम्मीदवार मजबूत हैं।

हरियाणा की चुनावी चिट्ठी

BJP के कई विधायकों के कटेंगे टिकट, सामाजिक समीकरण किए तय !

एजेंसी | चंडीगढ़

हरियाणा में विधानसभा चुनाव की नई तिथि की घोषणा के साथ ही कांग्रेस और भाजपा के प्रत्याशियों की घोषणा जल्द होने की संभावना बढ़ गई हैं। दोनों ही पार्टियां शीर्ष स्तर पर प्रत्याशियों के नामों पर मंथन कर चुकी हैं, लेकिन पत्याशियों की सूची अभी जारी नहीं की है।

सूत्रों के अुनसार प्रत्याशियों के नामों पर जरूरी पेपरवर्क पूरा कर लिया है। सामाजिक समीकरण भी बैठा लिए गए हैं और वोटों का गुणा-भाग भी हो चुका है। लेकिन सूची की घोषणा के बाद संभावित असंतोष से निपटने पर भी मंथन हो रहा है। भाजपा सूत्रों ने बताया

है कि करीब 10 से 15 फीसदी मौजूदा विधायकों के टिकट कटने के आसार हैं। इनका पार्टी स्तर पर किए गए सर्वे में फीडबैक अच्छा नहीं आया है। पार्टी ने लगभग सभी सीटों पर नाम तय कर लिए हैं , परन्तु उसकी नजर इस बात पर भी है कि कांग्रेस समेत अन्य दल क्या रणनीति अपना रहे हैं। उसके हिसाब से कुछ नामों में फेरबदल किया जा सकता है। माना जा रहा है कि भाजपा की ओर तय 25 सीटों के नामों में पार्टी के कई पुराने चेहरे या फिर दूसरी पार्टी से आए दिग्गज नेता या फिर उनके परिवार के सदस्यों के नाम शमिल हैं। भाजपा को उम्मीद है कि ये न सिर्फ अपनी सीट बल्कि आसपास की सीटों पर भी पार्टी के लिए फायदेमंद साबित होंगे।

नामी परिवारों के वारिसों को मिलेंगे टिकट!

हरियाणा में भाजपा की ओर से कई बड़े राजनीतिक परिवारों की तीसरी-चौथी पीढ़ी को टिकट देने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार पूर्व सीएम भजनलाल के पोते भव्य बिश्नोई को भाजपा आदमपुर विधानसभा तथा पूर्व सीएम बंसीलाल की पोती श्रुति चौधरी को तोशाम से टिकट मिल सकता है। वहीं, देवीलाल के पोते आदित्य देवीलाल को डबवाली विधानसभा से मौका मिलने की संभावना है। इनके अलावा एक और पूर्व सीएम राव बीरेंद्र सिंह की पोती आरती राव को भी अटेली विधानसभा से टिकट मिलने की चर्चा है। आरती के पिता राव इंद्रजीत सिंह केंद्र सरकार में मंत्री हैं। हालांकि पिछले विधानसभा चुनाव में भी उनकी दावेदारी थी, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला था और पार्टी का तर्क था कि उनके पिता केंद्रीय मंत्री हैं। भव्य और आरती के परिवार 2014 से पहले कांग्रेस के साथ ही थे। वहीं श्रुति चौधरी हाल ही में भाजपा में शामिल हुई थी। श्रुति चौधरी की मां किरण को भाजपा ने राज्यसभा भी भेजा है। भाजपा के रणनीतिकारों को लगता है कि जब पार्टी की हवा कमजोर बताई जा रही है, तब नामी परिवारों से जुड़े लोगों को मौका देकर माहौल बनाया जा सकता है। हालांकि मौजूदा सरकार के 30 फीसदी विधायकों के टिकट काटे जा सकते हैं। संदीप सिंह, संजय सिंह और सीमा त्रिखा जैसे मंत्रियों को भी टिकट की रेस से बाहर किया जा सकता है। पार्टी के सूत्रों का कहना है कि इन लोगों के खिलाफ ऐंटी-इनकंबेंसी है।

इनेलो के 7 प्रत्याशी घोषित

इस बीच, इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) ने रविवार को पार्टी के 7 प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी की। हरियाणा में इनेलो का बसपा के साथ गठबंधन है। इनेलो प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने रविवार को सात विधानसभा उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की। सूची के अनुसार कलायत विधानसभा हलका से रामपाल माजरा, लाडवा से शेर सिंह बड़शामी, नारनोंद से उम्मेद लोहान, बहादुरगढ़ से पूर्व विधायक दिवंगत नफे सिंह राठी की पत्नी शीला राठी, रानिया से अर्जुन सिंह चौटाला, हथीन से तैयब हुसैन भीमसीका और कालांवाली से मास्टर गुरतेज सिंह सुखचैन को उम्मीदवार घोषित किया गया है।

जरूरी खबर

कंगना रानौत को झटका, 'इमरजेंसी' की रिलीज टली

नई दिल्ली। अभिनेत्री व सांसद कंगना रानौत की फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर बढ़ते विवाद के बीच इसके संभावित प्रदर्शन को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। कंगान इस फिल्म की मुख्य भूमिका में हैं और डायरेक्टर भी हैं। यह फिल्म 6 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होने वाली थी। कंगना की टीम के एक सूत्र ने जानकारी दी है कि सेंसर बोर्ड की ओर से फिल्म को अब तक हरी झंडी न मिलने की वजह से यह फैसला लिया गया है। कंगना ने हाल ही में बताया था कि फिल्म की वजह से मिल रही धमकियों के बीच सीबीएफसी ने इसे हरी झंडी देने से इनकार कर दिया है। जहां तक फिल्म के प्रदर्शन की नई तिथि का सवाल है तो कंगना की ओर से अभी तक इस बारे में प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बिहू गीतों से छेड़छाड़: गायक अल्ताफ गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि 'मिया बिहू' को लोकप्रिय बनाने की कोशिश के आरोप में एक गायक को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि कोई भी असमिया व्यक्ति अपने पारंपरिक बिहू गीतों को बहुत ही अलग अंदाज में पेश करने के किसी भी प्रयास को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। सरमा ने शनिवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ऐसे ही एक गायक अल्ताफ हुसैन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रविवार को मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा साझा की गई 2.27 मिनट की वीडियो क्लिप में सरमा ने जोर देकर कहा कि 'हम अपनी सामाजिक व्यवस्था पर कोई भी हमला कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम पर ऐसे हमलों के प्रयास भी नहीं होने चाहिए।

गोमांस खाने के शक में पीटा, श्रमिक की मौत

चंडीगढ़। हरियाणा में गोमांस खाने के आरोप में एक मजदूर की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मजदूर की पहचान 24 वर्षीय साबिर मलिक के रूप में हुई है। वह पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना के बसंती का रहने वाला था। यह घटना 28 अगस्त की है। मामले में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार करने के साथ दो नाबालिगों को हिरासत में ले लिया है। यह लोग गौरक्षा समूह से जुड़े हुए हैं। मामला हरियाणा के चरखी दादरा जिले का है। आरोपियों को शक था कि संदिग्ध मजदूर गांव में गोमांस खा रहा था।

पूर्व स्पीकर संगमा को किया नमन

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को नई दिल्ली में संविधान सदन (पुराना संसद भवन) में आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष दिवंगत पीए संगमा को उनकी जयंती पर नमन किया और उनको पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अन्य कई गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

संत और योगी सत्ता के गुलाम नहीं होते: योगी

चहनियां(चंदौली)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को यहां कहा कि संत और योगी सत्ता के गुलाम नहीं होते हैं। वह हमेशा राष्ट्र और समाज उत्थान के लिए काम करते हैं। सीएम योगी का ये बयान किस ओर इशारा कर रहा था, लोग इसके मायने निकालने लगे। करीब 12 मिनट के अपने संबोधन में सीएम योगी ने संत और योगी कभी सत्ता के पीछे नहीं भागते बल्कि आम जनमानस उनके पदचिह्नों पर चलकर देश और समाज के हित में काम करता है। योगी बाबा कीनाराम के 425वें जन्मोत्सव समारोह के चंदौली पहुंचे थे। इससे पहले सीएम योगी वाराणसी में बड़ा लालपुर स्थित दीनदयाल हस्तकला संकुल के सभागार में भाजयुमो की प्रदेश कार्यसमिति और सदस्यता अभियान प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा, हम सभी एक राष्ट्रवादी मिशन के लिए काम कर रहे हैं।

जिला न्यायपालिका का राष्ट्रीय सम्मेलन

रेप जैसे फैसलों में देरी से न्याय प्रक्रिया पर उठता है सवाल: मुर्मू

- त्वरित न्याय के लिए स्थगन की संस्कृति को बदला जाए
- सुप्रीम कोर्ट का ध्वज और प्रतीक चिह्न किया जारी

एजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने त्वरित न्याय सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। उन्होंने रविवार को कहा कि इसके लिए अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के हर संभव उपाय किए जाने चाहिएं। राष्ट्रपति ने कहा कि जब बलात्कार जैसे मामलों में कोर्ट का फैसला एक पीढ़ी गुजर जाने के बाद आता है, तो आम आदमी को लगता है कि न्याय की प्रक्रिया में संवेदनशीलता नहीं बची।

राष्ट्रपति मुर्मू ने उच्चतम न्यायालय की ओर से आयोजित जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सुप्रीम कोर्ट के 75 वें स्थापना दिवस पर सुप्रीम कोर्ट का ध्वज और प्रतीक चिह्न भी जारी किया। मुर्मू ने कहा कि अदालतों में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिए एक बड़ी चुनौती है।

मुर्मू ने कहा कि गांव के लोग तो न्यायपालिका को दैवीय मानते हैं, क्योंकि उन्हें वहीं न्याय मिलता है। हमारे देश के हर न्यायाधीश और न्यायिक अधिकारी का नैतिक दायित्व है कि वे धर्म, सत्य और न्याय का सम्मान करें। उन्होंने कहा, एक कहावत भी है- भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं। मगर, सवाल है कि आखिर कितनी देर? हमें इस बारे में सोचना होगा। उन्होंने कहा, जब तक किसी पीड़ित को न्याय मिलता है, तब तक तो उसके चेहरे से मुस्कान गायब हो चुकी होती है। कई मामलों में उनकी जिंदगी तक खत्म हो जाती है।

न्याय की रक्षा करना न्यायाधीशों की जिम्मेदारी

मुर्मू ने कहा कि न्याय की रक्षा करना देश के सभी न्यायाधीशों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अदालती माहौल में आम लोगों का तनाव का स्तर बढ़ जाता है। उन्होंने इस विषय पर अध्ययन का भी सुझाव दिया। उन्होंने महिला न्यायिक अधिकारियों की संख्या में वृद्धि पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। इस कार्यक्रम में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और केंद्रीय कानून व न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल भी शामिल हुए।

संपन्न लोग अपराध करने के बाद भी बेखौफ

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी न्यायपालिका के सामने कई चुनौतियां हैं, जिनके लिए सभी हितधारकों को मिलकर प्रयास करने होंगे। उदाहरण के लिए साक्ष्य और गवाहों से संबंधित मुद्दों को न्यायपालिका, सरकार और पुलिस प्रशासन की ओर से मिलकर सुलझाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'यह हमारे सामाजिक जीवन का एक दुखद पहलू है कि कुछ मामलों में साधन संपन्न लोग अपराध करने के बाद भी बेखौफ घूमते रहते हैं। जो लोग इन अपराधों के शिकार होते हैं, वे इस डर में जीते हैं जैसे कि उनके अपने विचारों ने कई अपराध किए हों। महिला पीड़ितों की स्थिति और भी बदतर है क्योंकि समाज के लोग भी उनका साथ नहीं देते। राष्ट्रपति ने कहा कि गांवों के गरीब लोग अदालत जाने से डरते हैं। वे बहुत मजबूरी में ही अदालत की न्याय प्रक्रिया में भागीदार बनते हैं। अक्सर वे चुपचाप अन्याय सहते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि न्याय के लिए लड़ना उनके जीवन को और अधिक कष्टमय बना सकता है।

लंबित केस का निपटारा: CJI ने दिया तीन सूत्री फॉर्मूला

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने समारोह में कहा कि लंबित मामलों की संख्या को कम करने के लिए एक ठोस योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तीन मुख्य चरण हैं। जिसमें पहले चरण में जिला स्तर पर मामलों के प्रबंधन के लिए समितियों का गठन किया जाएगा। ये समितियां लंबित मामलों और रिकॉर्ड की स्थिति की जांच करेंगी। दूसरे चरण में, उन मामलों का निपटारा किया जाएगा जो 10 से 30 वर्षों से अधिक समय से लंबित हैं। तीसरे चरण में, जनवरी 2025 से जून 2025 तक दस वर्षों से अधिक समय से लंबित मामलों की सुनवाई की जाएगी। इसके लिए विभिन्न तकनीकी और डाटा प्रबंधन प्रणालियों की जरूरत होगी। लंबित मामलों से निपटने के अन्य उपायों में विवादों का समाधान करने की पहल भी शामिल है। हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की, जिसमें 1,000 से ज्यादा मामलों का समाधान किया गया। मुख्य न्यायाधीश ने आगे यह भी कहा, हमें यह स्थिति बदलनी होगी कि हमारे जिला न्यायालयों में केवल 6.7 फीसदी इन्फ्रास्ट्रक्चर ही महिलाओं के अनुकूल है। आज के समय में जब कुछ राज्यों में भर्ती में 60 फीसदी से 70 फीसदी महिलाएं हैं, तो क्या यह स्वीकार्य है? हमारी प्राथमिकता है कि न्यायालयों तक पहुंच को बढ़ाया जाए।

भीड़ का शासन बनाने का प्रयास: जस्टिस ओका

पुणे। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय ओका ने राजनीतिक नेताओं पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि कई बार राजनेता आपराधिक घटनाओं को भुनाने के लिए दोषियों की मौत की सजा का अश्वासन देते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह भीड़ का शासन बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उनका कहना है कि यह फैसला करने का अधिकार केवल न्यायपालिका को ही होता है, किसी और को नहीं। जस्टिस ओका ने रविवार को पुणे में बार काउंसिल ऑफ महाराष्ट्र और गोवा द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखने और त्वरित, न्यायपूर्ण निर्णय देने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में जमानत देने को लेकर बिना किसी कारण के न्यायपालिका की आलोचना की जा रही है।

तालाब व झीलें उफान पर

आंध्र प्रदेश -तेलंगाना में भारी बारिश, कई इलाके जलमग्न

एजेंसी | विजयवाड़ा/ अहमदाबाद

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भारी बारिश मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। कई जगह बाढ़ और जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। आंध्र प्रदेश के 5 जिलों के 294 गांवों से 13,227 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। भारी बारिश के कारण अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है।

रेलवे ने 20 ट्रेनों को रद्द और 30 के मार्ग में बदलाव किया है। आंध्र प्रदेश में विजयवाड़ा और गुंटूर बारिश से सबसे अधिक प्रभावित हैं। यहां आवासीय इलाकों में पानी भरने से जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। दूसरी ओर गुजरात में बाढ़ की वजह से 26 लोगों की मौत हो गई है। तेलंगाना के खम्माम जिले के 110 गांवों में जलभराव हो गया है। करीब 9 लोग प्रकाश नगर पहाड़ी पर फंस गए हैं। आंध्र प्रदेश में पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के दलों ने जलमग्न इलाकों से 600 लोगों को बचाया है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के 17 दलों ने सात जिलों में 22 जलमग्न स्थानों पर बचाव अभियान चलाया।

कृष्णा और गुंटूर जिलों में भारी बारिश से तालाब और झीलें उफान पर हैं। विजयवाड़ा, अमरावती, मंगलागिरी, गुंटूर और एलुरु में कई सड़कें पानी में डूब चुकी हैं। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौसम की स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 50 वर्षों में ऐसी रिकॉर्ड बारिश नहीं देखी गई थी।

गुजरात में बाढ़ से 26 की गई जान

गुजरात के कई शहरों में वर्षा जनित हादसों में अब तक 26 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं 18000 हजार लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है। इसके अलावा 1200 लोगों को भी बचाया गया है। वडोदरा और कच्छ में बाढ़ से सबसे अधिक हालात खराब हैं। घर की छतों तक मगरमच्छ देखे गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल से दो बार फोन पर बात की और हालात की जानकारी ली।

रेलवे जल्द देगा एक और सौगात

160 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

एजेंसी | बेंगलुरु

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कहा कि वंदे भारत के बाद भारतीय रेलवे के नक्शे पर बहुत जल्द वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का संचालन शुरू किया जाएगा और इसकी अधिकतम गति 160 किलोमीटर होगी।

वैष्णव ने रविवार को बेंगलुरु स्थित भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) के कारखाने का दौरा किया और वंदे भारत एक्सप्रेस के स्लीपर कोच के कॉपी वर्जन का अनावरण किया। वैष्णव ने बताया कि कोच को ऑपरेट करने से पहले 10 दिन तक उसका टेस्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले तीन महीनों में ट्रेन का

परिचालन शुरू होने की संभावना है। उन्होंने बीईएमएल परिसर में वंदे भारत विनिर्माण प्रतिष्ठान की आधारशिला भी रखी। वैष्णव ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन की तरह वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का निर्माण भी स्वदेशी तकनीक से किया जा रहा है। इस ट्रेन में यात्री सुरक्षा के साथ लोको कैब को बेहतर बनाया गया है तथा लोको पायलट और अटेंडेंट्स की सुविधाओं का भी पूरा ध्यान रखा गया है। इसके साथ ही यह ट्रेन टक्कर रोधी कवच प्रणाली से लैस है।

उन्होंने बताया कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का डिजाइन और इसका इंटीरियर काफी आकर्षक और इसमें विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। स्लीपर कोच का निर्माण पूरा कर लिया गया है। आने वाले कुछ दिनों में इसे बीईएमएल फैक्ट्री से निकाला जाएगा। यह पूरी तरह स्लीपर वर्जन है।

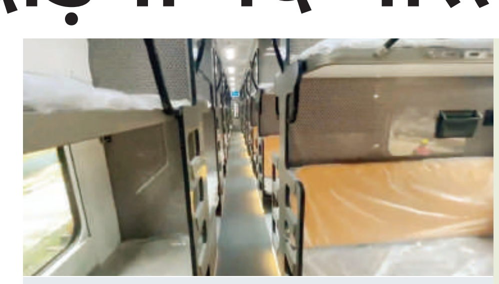

ये सुविधाएं हैं ट्रेन में

इस ट्रेन में यूएसबी चार्जिंग प्रावधान के साथ एकीकृत रीडिंग लाइट, सार्वजनिक घोषणा और विजुअल इन्फॉर्मेशन प्रणाली, इनसाइड डिस्प्ले पैनल और सिक्योरिटी कैमरे तथा मॉड्यूलर पैंट्री की सुविधा है। इसके साथ ही दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष बर्थ और शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त, फर्स्ट एसी डिब्बे में यात्रियों के लिए गर्म पानी के शॉवर की सुविधा भी उपलब्ध करायी गयी है।

जल्द शुरू होगा ट्रायल

रेल मंत्री ने बताया कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का ट्रायल जल्द शुरू होने वाला है और उसके पश्चात इसे देश के विभिन्न रेल मार्गों पर संचालित किया जाएगा। वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों को लंबे रेल मर्गों पर संचालित किया जाएगा और इस ट्रेन से भारत में लंबी दूरी की रेल यात्रा में क्रांति आने की उम्मीद है। वहीं वंदे भारत स्लीपर ट्रेन आराम, सुरक्षा और दक्षता के मामले में नए मानक स्थापित करेगी। वैष्णव ने रविवार को यहां उत्पादन इकाई का दौरा किया और वहां वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेट के उत्पादन का निरीक्षण किया। उन्होंने वंदे भारत स्लीपर के उत्पादन में कार्यरत कर्मचारियों से बातचीत की और उनका उत्साहवर्धन भी किया। इस दौरान केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी सोमन्ना भी मौजूद रहे।

वक्फ बिल पर मुस्लिमों की राय जानेगी भाजपा

एजेंसी | नई दिल्ली

कुछ प्रमुख मुस्लिम निकायों द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक की तीखी आलोचना के बीच भाजपा का अल्पसंख्यक मोर्चा वक्फ बोर्डों में सुधारों के समर्थन में विरोधियों की राय व सुझाव जुटाएगा और विधेयक की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के समक्ष प्रस्तुत करेगा। सूत्रों ने बताया कि राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्षों सहित भाजपा के सात सदस्यों की एक टीम देशभर के अल्पसंख्यक समुदाय के विचार जानेगी और विभिन्न मुद्दों पर उनकी चिंताओं को दूर करेगी। एक भाजपा नेता ने दावा किया, हम समिति को हर दृष्टिकोण से अवगत कराएंगे।

कल्चरल कारवां: अभिनेता फैसल मलिक और अंजुम शर्मा ने की चर्चा

कविताओं, शायरी और दस्तानगोई संग बिछी लोक संगीत की जाजम

बेधड़क.जयपुर। जवाहर कला केन्द्र और जश्न ए अदब की सहभागिता में आयोजित 'कल्चरल कारवां' उत्सव ने साहित्य, लोक कला और संगीत के सौंदर्य से सराबोर करने के बाद रविवार को जयपुर को अलविदा कहा। अंतिम दिन युसुफ खान व उनके साथियों ने भपंग वादन, फकीरा खान भादरेश ने लोक व सूफी गीतों की मनोरंजक प्रस्तुति दी। अभिनेता व प्रोड्यूसर फैसल मलिक और अभिनेता अंजुम शर्मा ने ओटीटी प्लेटफॉर्म, एक्टिंग व फिल्मों पर चर्चा की। विधा लाल ने कथक की मनमोहक प्रस्तुति दी। कवि सम्मेलन और मुशायरे में प्रो. अशोक चक्रधर, सुरेन्द्र शर्मा और प्रो. वसीम बरेलवी, मदन मोहन दानीश, बनज कुमार बनज, मोइन शादाब, रमेश शर्मा, कुंवर रणजीत चौहान समेत प्रसिद्ध कवियों ने अपनी रचनाओं से समां बांधा।

फोक म्यूजिक और सूफी सॉन्ग से बांधा समां

फकीरा खान भादरेश व उनके साथियों की फोक म्यूजिक और सूफी सॉन्ग परफॉर्मेंस ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। फकीरा ने 'पधारो म्हारे देश', 'जलालो बिलालो' के साथ शुरुआत की और सभी को राजस्थान के रंग में रंग दिया। उन्होंने 'छाप तिलक', 'है री सखी मंगल गाओ री', 'नैनो की मत मानियो रे', 'सांसों की माला' आदि गीत गाकर समां बांधा। अपने चित परिचित अंदाज में युसुफ खान मेवाती व समूहके कलाकारों ने भपंग वादन से सभी का मन मोहा। सैयद साहिल आगहा ने दास्तानगोई में रोचक किस्से सभी के सामने रखे। विधा लाल की प्रस्तुति में पारंपरिक बंदिशों पर कथक प्रस्तुत किया गया।

एक्टिंग फील्ड में कलाकारों के लिए अवसर बढ़े

इधर कुंवर रणजीत चौहान के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म, एक्टिंग और फिल्मों पर बात करते हुए फैसल मलिक ने कहा कि ओटीटी के आने के बाद एक्टिंग फील्ड में करियर बनाने की चाह रखने वाले कलाकारों के लिए मौके बढ़े है। अब जनता के बीच में से आने वाली रियल कहानियों को लोग पसंद कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म हो या ओटीटी शुरुआत से लड़ाई अच्छी कहानी की ही रही है। अच्छी कहानियां आए उन पर फिल्मे और सीरीज बने जिससे लोगों का मनोरंजन हो। अंजुम शर्मा ने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म आने से कलाकारों को समय मिला है। सीरीज अलग-अलग किरदार को लेकर आगे बढ़ती है। ऑडियंस के सामने कैरेक्टर को लेकर च्वाइस बढ़ गयी है उनका इंट्रेस्ट लेवल भी बढ़ा है। बदलाव कंटेंट बनाने में नहीं देखने वालों में आया है। रियलिस्टिल ऑडियंस का क्राइट एरिया बढ़ गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म और सीरीज दोनों बनती रहेगी, ऑडियंस ही हमेशा से निर्णायक रही है कि क्या देखना है।

भाव-लय की प्रस्तुति ने मोहा

बेधड़क. जयपुर। नेट थिएट कार्यक्रमों की कड़ी में जयपुर घराने के युवा कथक कलाकार रिदम कावा ने भावपूर्ण कथक नृत्य से जयपुर घराने के शुद्ध कथक नृत्य की बारीकियों को दर्शाया। राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि नृत्याचार्य पं. कन्हैया लाल की चौथी पीढ़ी के कलाकार रिदम ने शुद्ध कथक ताल, थाट, आमद, परण, फरमाइशी बातें, जयपुर कथक का फुटवर्क और चक्करदार तोड़ा की प्रस्तुति दी। रिदम कथक गुरु पं. राजेंद्र राव के पोते हैं और कार्यक्रम की परिकल्पना भी उनकी रही। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, कैमरा मनोज स्वामी, संगीत विनोद सागर गढ़वाल व वीरेंद्र सिंह राठौड़, मंच सज्जा जीवितेश और अंकित शर्मा नोनू की रही।

नेचर लवर्स ग्रुप ने लगाए पौधे

बेधड़क. जयपुर। एक पेड़ देश के नाम, एक पेड़ मां के नाम अभियान में बड़ी संख्या में लोग जुड़े। 1 जुलाई से चल रहे अभियान में प्लांटेशन कर हरियाली लाने का प्रयास किया गया। चित्रकूट के प्रताप स्टेडियम में पौधरोपण हुआ, जो अभियान का 51वां पौधरोपण था। नेचर लवर्स ग्रुप के सदस्यों ने कई पौधे रोपे और यंग जननेशन को इसका महत्व बताया।

कोरिया की स्मृति में संवाद प्रवाह

बेधड़क. जयपुर। जवाहर कला केन्द्र (जेकेके) की ओर से वास्तुकार चार्ल्स कोरिया के जन्मदिवस पर संवाद का आयोजन किया गया। जेकेके, दी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स, राजस्थान चैप्टर और अर्बन स्केचर्स की ओर से सत्र में मुख्य वक्ता जेकेके की अतिरिक्त महानिदेशक प्रियंका जोधावत के साथ अन्यों ने विचार रखे। फॉयर एरिया में फोटो प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें चार्ल्स कोरिया के जेकेके विजिट की स्मृति को दर्शाया गया है। जोधावत ने कहा कि चार्ल्स कोरिया के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। तुषार सोगानी ने कहा कि जेकेके आर्किटेक्ट्स के लिए विशेष महत्व रखता है। स्टूडेंट्स इस भवन की डिजाइन से वास्तुकला के विभिन्न पहलुओं को बारीकी से समझ सकते हैं।

City इवेंट्स

JJPL लीग में युवाओं का दिखा उत्साह

बेधड़क. जयपुर। जैन युवा मंच की ओर से जनकपुरी ज्योतिनगर प्रीमियम लीग (जेजेपीएल) में युवाओं ने उत्साह दिखाया। मंच अध्यक्ष अमित शाह ने बताया कि में पुरुष, महिलाएं व बालकों की 15 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रायोजक एआरएल के प्रमोद पहाड़िया, स्वप्नलोक के सुभाष पाटनी व बिलालाज के पदम जैन बिलाला रहे। एम्पायर नवीन जैन मित्रपुरा व अजीत जैन गोदिका तथा कमेंट्री राकेश जैन द्वारा की गई। मंत्री प्रतीक जैन व उपाध्यक्ष नीरज जैन ने बताया कि उद्घाटन पदम पारस जैन बिलाला ने तथा दीप प्रज्वलन स्थानीय विधायक काली चरण सराफ ने किया। रविवार को तीनों प्रायोजकों का युवा मंच के सदस्यों व समाज के व्यक्तियों ने सम्मान किया। कार्यक्रम अनुज पांड्या, राजा जैन आदि के सहयोग रहे।

अहिंसा का प्रचार करने यात्रा दल रवाना

बेधड़क. जयपुर। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के चल रहे 2550वें निर्वाणोत्सव वर्ष में जैन धर्म के सिद्धांतों की प्रभावना करने व भगवान महावीर के सिद्धांत जीओ और जीने दो सहित अहिंसा शाकाहार का प्रचार-प्रसार करने के लिए धार्मिक यात्रा दल रवाना हुआ। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन व प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के नेतृत्व में रवाना हुए दल में शामिल श्रद्धालु जयपुर से श्रीचन्द्रप्रभू दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मेंहदवास जहाजपुर स्वस्ति धाम में भगवान मुनिसुव्रत नाथ के दर्शन लाभ प्राप्त करेंगे। यहां पर प्रवासरत गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ से आशीर्वाद लेंगे। चांदखेड़ी में मूलनायक भगवान आदिनाथ के अभिषेक, शांतिधारा व मंदिर दर्शन हुए।

राज्यपाल को गणेश उत्सव का निमंत्रण

बेधड़क. जयपुर। जयपुर महाराष्ट्र मंडल व ट्रस्ट सदस्यों ने राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बड़गे से राजभवन में शिष्टाचार मुलाकात की। महाराष्ट्र मंडल ट्रस्ट द्वारा हर साल आयोजित किए जाने वाले गणेश उत्सव की आमंत्रण पत्रिका दी गई। राज्यपाल ने आत्मीयता से सभी से व्यक्तिगत परिचय लिया और स्वयं अपने बाल्यकाल से जीवन के प्रथम डेयरी व्यवसाय से लेकर समाज सेवा आदि से अपनी जर्नी शेयर की।

फॉलोअप प्रोग्राम के तहत नाटक का मंचन

मास्टरजी को छूते ही संस्कृत भाषा बोलने लग गए एलियंस

बेधड़क | जयपुर

रवींद्र मंच पर 11 से 31 अगस्त तक 21 दिन चले फॉलोअप प्रोग्राम में थिएटर इन एजुकेशन बेस्ड नाटक अलबेला गांव का मंचन किया गया। मूर्तिकारों में महावीर भारती मूर्तिकार और निर्मला कुलरिया, कला रसिक सीमा दया और क्यूरियो की मेंबर इंचार्ज और फैशन डिजाइनर रोलिक शुक्ला ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कहानी में एक यूएफओ दो एलियंस के साथ क्रैश होकर छोटे से एक गांव में गिरता है। नाटक मंडली के सदस्य उन अजीब से दिखने वाले लोगों को देखकर डर जाते हैं, जो छूने पर करंट मारते हैं।

इसी बीच खींचातानी में मास्टर उन अजनबी लोगों पर गिर जाते हैं। मास्टर को छूते ही वे लोग संस्कृत में बात करने लगे, उनको संस्कृत बोलता देख नाटक मंडली भी संस्कृत सीखने का फैसला करती है, लेकिन मंडली के आधे लोग संस्कृत सीखना चाहते थे और आधे नहीं। उन लोगों के इस आपसी असहमति से झुंझला कर एलियंस ने अपनी शक्ति से संस्कृत माता को ही धरती पर बुला लिया। माता मास्टर को नाटक मंडली को संस्कृत भाषा सिखाने का उत्तरदायित्व सौंपकर अदृश्य हो जाती हैं। समर्थ, आशीष मिश्रा, अक्षय, दिव्यांश आदि ने अभिनय किया तो बैक स्टेज में लाइट्स प्रेरणा-पल्लवी, साउंड इफेक्ट सांची जैन, प्रॉप्स में लविना भार्गव, कमलेश और कमल थे।

फ्यूचर साउंड टेक्नोलॉजी पर हुई चर्चा

एक्सपर्ट्स ने मोटिवेशन स्पीच के संग दिया लाइव टेक्निकल डेमो

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान साउंड ऑनर्स एसोसिएशन के एनुअल फाउंडेशन डे प्रोग्राम 'साउंड रेवोलुशन-4' में सभी साउंड वेंडर व्यापारियों को जीएसटी के लिए प्रेरित करते हुए व्यापारिक एकता, आपसी संबंध, मोटिवेशन से लोगों को अवेयर करने का कार्य किया गया। राजस्थान साउंड ओनर्स एसोसिएशन अध्यक्ष दीपक कुमार शर्मा ने यह बात द पैलेस रिसोर्ट्स में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश भर के साउंड ऑनर्स व एसोसिएशन के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कही।

प्रोग्राम में इंडिया के टॉप ब्रांड्स व इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स द्वारा लाइव टेक्निकल डेमो दिया गया। वहां आए लोग डिफरेंट एक्टिविटीज, क्विज, जानकारियों, लाइव डेमो, गीत संगीत, स्पीच से मोटिवेट हुए। साथ ही एसोसिएशन की तरफ से आगामी होने वाली योजनाओं पर चर्चा की गई। जरूरी व आगे की जानकारियों से सभी को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में डॉ. प्रमोद चंदलेकर, विक्रांत जैन, अनिल पवार, पुनीत चोपड़ा, बनवारी लाल शर्मा, एश्दीप सिंह, वरुणदीप, गौरव, राहुल, अक्षय बतौर अतिथि उपस्थित रहे। अध्यक्ष दीपक कुमार शर्मा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन व सहयोग करने के लिए टीम मैंबर्स को व जयपुर साउंड एसोसिएशन को मोटिवेट करते हुए आभार व्यक्त किया।

पार्श्व पुराण मुनि प्रणम्य सागर ससंघ ने किया बारह भावनाओं का वाचन

जहां पर धन गौण होता है, वहां धर्म का बोलबाला

बेधड़क | जयपुर

अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर ने कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण में बारह भावनाओं का वाचन किया। मुनि ने कहा कि हर क्रिया के पीछे एक कारण होता है। उस कारण को खोजना जैनिज्म है। कर्मों के निरंतर प्रवाह की प्रक्रिया आश्रव कहलाती है। आश्रव का सबसे बड़ा कारण मिथायत्व है। कर्मों के आगमन को रोकना संवर है। जहां धन प्रमुख हो जाता है, वहां धर्म गौण हो जाता है। उन्होंने बताया कि जहां धन गौण होता है वहां धर्म का बोलबाला होता है।

तपों से कर सकते हैं कर्मों की निर्जरा

निर्जरा को समझाते हुए कहा कि सतगुरु की शरण में जाकर तपों के द्वारा हम अपने कर्मों की निर्जरा कर सकते हैं। संवर और निर्जरा से हमारी आत्मा मे कर्मों के अभाव से सम्यक ज्ञान प्रकाशित होता है। जो जिन शासन की प्रभावना में लगा रहता है, उसे दरिद्रता छू नहीं सकती। इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज व मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढ़ाया गया। पांडिचेरी से पधारे विमलचंद-संतरा देवी, श्रीपाल-मंजू जैन द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज व आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। मुनि प्रणम्य सागर का पाद पक्षालन कर शास्त्र भेंट किया।

श्रीफल भेंट कर लिया आशीर्वाद: समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाड़ा व कार्यकारिणी सदस्य अशोक छाबड़ा ने उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्य सूचना आयोग आयुक्त महेंद्र कुमार पारख ने मुनिश्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लिया। अध्यक्ष अनिल जैन व मंत्री सुनील बज के नेतृत्व में महावीर नगर दिगम्बर जैन समाज व अध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद, महामंत्री नवीन सांघी के नेतृत्व में श्री मुनिसंघ सेवा समिति बापू नगर जयपुर ने मुनिश्री को अपनी कॉलोनी में प्रवास के लिए श्रीफल भेंट किया। समिति अध्यक्ष सुशील पहाड़िया व मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में सोमवार सुबह 8:15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा व मुनिश्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें।

हमास ने इजराइली-अमेरिकी बंधकों की कर दी हत्या

IDF ने बरामद किए 6 शव, बाइडेन ने कहा-चुकानी होगी कीमत

एजेंसी | यरूशलम

हमास आतंकियों ने गाजा में 6 इजराइली-अमेरिकी बंधकों की हत्या कर दी। इजराइली सेनाने इन सभी को शव बरामद किया है। इजराइली-अमेरिकी युवक हेर्श गोल्डबर्ग-पोलिन के माता-पिता ने रविवार सुबह पुष्टि की कि गाजा पट्टी में उनके बेटे को बंधक बनाने वाले आतंकियों ने उसकी हत्या कर दी है।

इसके साथ ही गोल्डबर्ग-पोलिन (23) की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए उसके माता-पिता द्वारा महीनों से चलाए जा रहे अभियान का भी अंत हो गया, जिसमें विश्व नेताओं से मुलाकात से लेकर पिछले महीने अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन के मंच से मदद की गुहार लगाना तक शामिल था। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि हमास को इसकी कीमत चुकानी होगी।

हमास के आतंकियों ने पिछले साल दक्षिण इजराइल में एक संगीत महोत्सव पर हमला कर गोल्डबर्ग-पोलिन सहित कुछ अन्य लोगों को बंधक बना लिया था। कैलिफोर्निया के बर्कले के रहने वाले गोल्डबर्ग-पोलिन ने ग्रेनेड हमले में अपना बायां हाथ गंवा दिया था।

अप्रैल में हमास द्वारा जारी एक वीडियो में उसका बायां हाथ गायब दिख रहा था और वह स्पष्ट रूप से काफी पीड़ा में बोलता नजर आ रहा था। इससे इजराइल में बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने की मांग को लेकर नये सिरे से विरोध-प्रदर्शन भड़क गए थे।

नेतन्याहू पर अब बढ़ेगा बंधकों की रिहाई का दबाव

गोल्डबर्ग-पोलिन समेत 6 बंधकों की हत्या हो जाने से इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर बाकी बंधकों की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए समझौता करने का दबाव बढ़ना तय माना जा रहा है। नेतन्याहू ने समझौते को लेकर कड़ा रुख अख्तियार किया है और कहा है कि बंधकों को वापस लाने के लिए सैन्य कार्रवाई की जरूरत है।

बाइडेन गुस्से में, बोले- अब हमें युद्ध खत्म कर देना चाहिए

इस घटना को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वह गाजा पट्टी से छह बंधकों के शवों की बरामदगी से काफी गुस्से में हैं, लेकिन अब युद्धविराम का समय आ गया है और वह इसके लिए 24 घंटे काम करेंगे। इस घटनाक्रम को "दुखद" और "निंदनीय" बताते हुए बाइडेन ने चेतावनी भी दी कि "हमास के नेताओं को इन अपराधों की कीमत चुकानी पड़ेगी।" वाइट हाउस द्वारा जारी एक बयान में बाइडेन ने कहा, "हमने अब पुष्टि कर दी है कि इन शातिर हमास आतंकियों द्वारा मारे गए बंधकों में से एक अमेरिकी नागरिक, हर्श गोल्डबर्ग-पोलिन था।" बाइडेन ने कहा, "अब समय

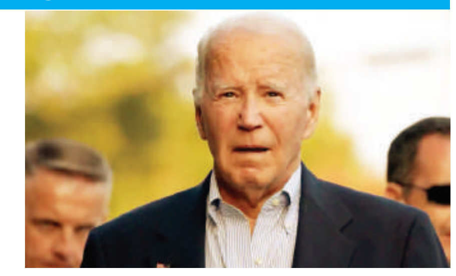

आ गया है कि यह युद्ध समाप्त हो जाए। हमें यह युद्ध समाप्त कर देना चाहिए।"

भारी मन से परिवार ने की पुष्टि

गोल्डबर्ग-पोलिन के परिवार ने इजराइली सेना द्वारा गाजा पट्टी की एक सुरंग से छह बंधकों के शव मिलने और मृतकों की शिनाख्त किए जाने की घोषणा करने के बाद उसकी मौत की पुष्टि करने वाला बयान जारी किया। इन बंधकों में हेर्श गोल्डबर्ग-पोलिन भी शामिल है। बयान में परिवार ने कहा, "गोल्डबर्ग-पोलिन परिवार भारी मन से अपने प्यारे बच्चे हेर्श की मौत की पुष्टि करता है। परिवार आपके प्यार और समर्थन के लिए आप सभी का आभार जताता है। वह दुख की इस घड़ी में उसकी गोपनीयता का सम्मान करने का अनुरोध करता है।"

हमास की क्रूरता की निंदा

वाइट हाउस में दिए गए एक बयान में उन्होंने कहा, "हमास एक दुष्ट आतंकी संगठन है। इन हत्याओं के साथ, हमास के हाथों पर और भी अधिक अमेरिकी खून लगा है। मैं हमास की निरंतर क्रूरता की कड़ी निंदा करता हूं, और पूरी दुनिया को भी इसकी निंदा करनी चाहिए। हजारों लोगों के नरसंहार से लेकर यौन हिंसा, बंधक बनाने और इन हत्याओं तक, हमास की दुष्टता स्पष्ट और भयावह है।"

बांग्लादेश: भीड़ का निशाना बन रहे अल्पसंख्यक शिक्षक

हिंदू टीचर्स से लिया इस्तीफा

एजेंसी | ढाका

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से बड़ी संख्या में हिंदू शिक्षकों को अपने सरकारी पदों से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

हिंदुओं को टारगेट करके होने वाले हमलों की लहर के बीच कम से कम 50 हिंदू शिक्षकों को अपनी नौकरी छोड़ने के लिए मजबूर किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक हालांकि जबरन इस्तीफा देने वालों की असली संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है।

हिंदी टीचरों से जबरन इस्तीफा लेने के सबसे हाई-प्रोफाइल मामलों में से एक में बरिशाल के बाकरगंज सरकारी कॉलेज की प्रिंसिपल शुक्ला रानी हलदर का मामला शामिल था। 29 अगस्त को छात्रों और बाहरी लोगों की भीड़ ने उनके ऑफिस पर धावा बोल दिया और उनसे इस्तीफा देने की मांग की। घंटों तक डराने-धमकाने के बाद, परेशान हलदर के पास एक खाली कागज पर 'मैं इस्तीफा देती हूं' लिखकर उनकी बात मानने के अलावा कोई चारा नहीं था।

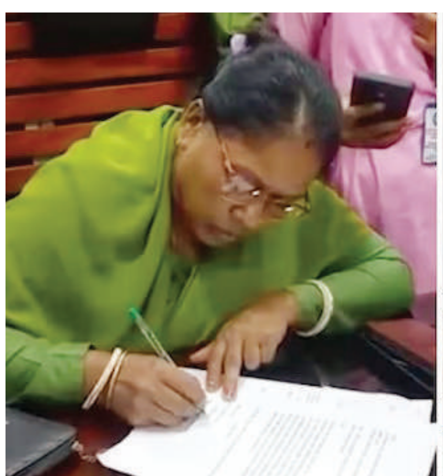

टीचरों को घेरकर मांग रहे इस्तीफा

रिपोर्ट के अनुसार 18 अगस्त को अजीमपुर गवर्नमेंट गर्ल्स स्कूल और कॉलेज की करीब 50 छात्राओं ने प्रिंसिपल गीतांजलि बरुआ को घेर लिया और उनसे, सहायक प्रधानाध्यापक गौतम चंद्र पॉल और शारीरिक शिक्षा शिक्षिका शहनाजा अख्तर से इस्तीफा मांगा। बरुआ ने बताया कि '18 अगस्त से पहले, उन्होंने कभी मेरा इस्तीफा नहीं मांगा। उस सुबह, उन्होंने मेरे ऑफिस में धावा बोला और मुझे अपमानित किया।' इसी तरह की घटनाएं पूरे देश में हुई हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले वीडियो में शिक्षकों को छात्रों द्वारा घिरे होने पर त्यागपत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर करते देखा जा सकता है।

तस्लीमा नसरीन ने उठाया मुद्दा

इस बढ़ती हुई विकट स्थिति में, बांग्लादेश में हिंदू टीचरों के बीच डर और असहाय होने की भावना साफ देखी जा सकती है। कबि नजरुल विश्वविद्यालय में लोक प्रशासन और शासन अध्ययन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर शांजय कुमार मुखर्जी ने मीडिया से कहा कि 'मुझे प्रॉक्टर और विभागाध्यक्ष के पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। हम इस समय बहुत असुरक्षित हैं।' बांग्लादेश की निर्वासित लेखिका तस्लीमा नसरीन ने छात्रों और प्रदर्शनकारियों के उत्पात मचाने के दौरान अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा न करने के लिए सेना समर्थित मुहम्मद यूनुस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट किया कि 'बांग्लादेश में टीचरों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया जा रहा है। यूनुस इसके खिलाफ कुछ नहीं कहते।'

रूसी टोही मिशन का हिस्सा

मशहूर 'जासूस' व्हेल ह्वाल्दिमीर की मौत

एजेंसी | ओस्लो

वर्ष 2019 में पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचने वाली ह्वाल्दिमीर नामक बेलुगा व्हेल नॉर्वे में मरी पाई गई। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई थी कि 14 फुट लंबी और 2,700 पाउंड वजनी व्हेल को पांच साल पहले कैमरे लगाने के लिए डिजाइन किए गए उपकरणों के साथ देखा गया था। जिसके बाद इंटरनेट पर उसे ह्वाल्दिमीर जासूस व्हेल का उपनाम दिया गया। इन उपकरणों पर सेंट पीटर्सबर्ग का निशान लगा हुआ था, जिससे व्यापक अटकलें लगाई जाने लगीं कि यह व्हेल रूसी टोही मिशन का हिस्सा थी।

रूस ने साध रखी है चुप्पी

इसे लेकर रहस्य और गहरा गया, क्योंकि रूस ने इसके बारे में कोई आधिकारिक दावा नहीं किया। जिससे दुनिया को अचरज हुआ कि क्या यह व्हेल जासूस या किसी अजीब परिस्थिति में फंसी दुर्भाग्यपूर्ण व्हेल थी। यह बेलुगा व्हेल जल्दी ही वैश्विक आकर्षण का विषय बन गई। अन्य बेलुगा व्हेल आमतौर पर सुदूर और ठंडे आर्कटिक जल में रहते हैं। उनके विपरीत ह्वाल्दिमीर व्हेल मनुष्यों के साथ असामान्य रूप से सहज दिखाई दी, जिससे एक्सपर्ट्स ये मानते थे कि वह अपने जीवन के अधिकांश समय कैद में रही।

ओस्लो के नजदीक देखी गई थी

पिछले साल नॉर्वे ने अपने नागरिकों से अनुरोध किया था कि वे ह्वाल्दिमीर व्हेल के साथ किसी भी तरह के संपर्क से बचें, जिसे ओस्लो के नजदीक एक तट में देखा गया था। नॉर्वे के मत्स्य निदेशालय के एक बयान में कहा गया था कि ह्वाल्दिमीर के नाम से जानी जाने वाली सफेद व्हेल अब आंतरिक ओस्लो फजॉर्ड में रहती है। इसका मतलब है कि यह बहुत घनी आबादी वाले इलाके में आ गई है। इस तरह मानव संपर्क के कारण व्हेल के घायल होने का जोखिम काफी अधिक हो गया है।

यूक्रेन युद्ध से कैसा कनेक्शन

पुतिन ने किम जोंग को गिफ्ट किए 24 घोड़े

एजेंसी | मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन को शुद्ध नस्ल के 24 घोड़े गिफ्ट किए हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि यूक्रेन युद्ध में इस्तेमाल किए गए तोपखाने के गोलों के बदले यह तोहफा दिया गया। इनमें ओर्लोव ट्रॉटर नस्ल के 19 घोड़े और 5 घोड़ियां हैं, जिन्हें किम जोंग का फेवरेट माना जाता है। 2 साल पहले भी प्योंगयांग को इसी ब्रीड के 30 घोड़े दिए गए

थे। प्रोपेगैंडा वीडियो में किम जोंग इनमें से एक सफेद घोड़े की सवारी करते नजर आए थे। बर्फबारी के बीच माउंट पेक्टू पर घोड़े की सवारी करते नॉर्थ कोरियाई लीडर की तस्वीर इंटरनेट पर वायरल हुई। किम जोंग उन जिन घोड़ों पर सवार थे, उन्हें उत्तर कोरिया की विरासत का भी प्रतीक माना जाता है। दरअसल, 1950-53 के कोरियाई युद्ध के बाद इस देश ने आर्थिक सुधार को लेकर प्रयास शुरू किए जिसका नाम पौराणिक पंखों वाले घोड़े चोलिमा पर रखा था। दिलचस्प है कि नॉर्थ कोरिया के रॉकेट बूस्टर में से एक का नाम चोलिमा-1 है। एक्सपर्ट के अनुसार, सफेद घोड़े पर सवार होकर किम जोंग ने एक छवि गढ़ने का प्रयास किया। उन्होंने उत्तर कोरियाई लोगों में विश्वास पैदा करने की कोशिश की कि उनके पास सत्ता की बागडोर संभालने वाला ताकतवर और भाग्यशाली व्यक्ति है। पुतिन को भूरे रंग के घोड़े की सवारी करते देखा जा चुका है। धूपी चश्मा, सोने की चेन और सेना की पतलून पहने रूसी राष्ट्रपति की तस्वीरें वायरल हुई थीं। अब तानाशाह किम की फोटो वायरल हो रही है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl